राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 305 | गुरूवार 27 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

सांसद महुआ मांझी सड़क हादसे में घायल, महाकुंभ से लौटते समय हुआ हादसा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की राज्यसभा सांसद महुआ मांझी एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, सांसद मांझी प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौट रहीं थीं, तभी लातेहार जिले के होटवाग गांव में उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और महुआ मांझी को गंभीर चोटें आईं हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 04 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर हुई। महुआ मांझी महाकुंभ से लौट रही थीं तभी अचानक उनका वाहन एक दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए लातेहार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रांची के रिम्स अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई वरिष्ठ नेता और समर्थकों समेत शुभचिंतक उनकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। यहां बताते चलें कि सांसद महुआ मांझी हिन्दी साहित्य की एक प्रतिष्ठित लेखिका हैं और समाजसेवा के क्षेत्र में उनका विशेष योगदान है। वह झारखंड मुक्ति मोर्चा की महिला मोर्चा की अध्यक्ष के रूप में भी सक्रिय रही हैं। महुआ मांझी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के परिवार की करीबी मानी जाती हैं। जेएमएम ने उन्हें 2019 के विधानसभा चुनाव में रांची सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वो तब सफल नहीं हो सकीं थीं।

मोहाली में डिप्टी कमिश्नर का पद संभालते ही एक्शन में कोमल मित्तल

-नशे के खिलाफ अभियान चलाने का ऐलान किया

चंडीगढ़। आईएएस अधिकारी कोमल मित्तल ने बुधवार को मोहाली में डिप्टी कमिश्नर (डीसी) का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें 2015 बैच की आईएएस अधिकारी आशिका जैन की जगह ये जिम्मेदारी दी गई है। कुर्सी संभालते ही नई डीसी ने नशे के खिलाफ अभियान चलाने का ऐलान किया है। 2014 बैच की आईएएस मित्तल पहले मोहाली में एडिशनल डेप्युटी कमिश्नर (जनरल) रह चुकी हैं। इसके बाद वे होशियारपुर की डीसी बनीं और अब वापस मोहाली आ गई हैं। यहां तैनात आशिका को होशियारपुर का डीसी बनाया गया है। कार्यभार संभालते ही कोमल ने कहा कि वे पुलिस के साथ मिलकर ड्रग और नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगी। इसके अलावा अनियोजित शहरी विकास, अतिक्रमण, सफाई और अवैध निर्माण जैसी समस्याओं पर भी फोकस करेगी। उन्होंने मोहाली की ट्रैफिक सिस्टम सुधारने का भी वादा किया। मित्तल ने कहा कि सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए वे अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ भी एक्शन लेंगी। उन्होंने कहा कि बेकसूर लोगों को परेशान करने और उनके पैसे ठगने वाले इमिग्रेशन एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने प्रशासन को और भी बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकारी योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जनता के साथ विनम्र व्यवहार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता जनता की सेवा है।

रामदास अठावले का बयान, राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे नहीं गए महाकुंभ, उनका बॉयकॉट करें हिंदू वोटर्स

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर महाकुंभ में शामिल नहीं होकर हिंदू समुदाय का 'अपमान' करने का आरोप लगाया और हिंदू मतदाताओं से उनका बहिष्कार करने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के एक प्रमुख दलित नेता और भाजपा के सहयोगी अठावले ने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में भाग नहीं लेने के दौरान हिंदुत्व की वकालत करने के लिए ठाकरे की आलोचना की। अठावले ने कहा कि ठाकरे हिंदुत्व की बात करते हैं लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में हिस्सा नहीं लिया। रामदास अठावले ने कहा कि ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने आगे कहा कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। अठावले ने कहा, 'वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।''

आतंकियों ने सेना की गाड़ी को बनाया निशाना, बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है, जिसमें आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की। यह घटना सुंदरबनी सेक्टर में करीब 12:45 बजे हुई। हमले के बाद, सुरक्षा बलों ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, हालांकि इस हमले में किसी के घायल या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना उस समय हुई जब सेना द्वारा इलाके में पहले से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। सुंदरबनी इलाका एलओसी से सटा हुआ है और पाकिस्तान सीमा के पास होने के कारण सुरक्षा बलों द्वारा यहां विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस समय सेना ही पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है, और पुलिस को वहां प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

-मेला क्षेत्र हाई अलर्ट पर, ड्रोन और एआई कैमरे रख रहे नजर

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 का छठवां और आखिरी स्नान हो रहा है। महाशिवरात्रि के मौके पर बड़ी संख?या में श्रद्धालु पावन संगम स्नान के लिए महाकुंभ में पहुंच रहे हैं। पूरे मेला क्षेत्र में हाई अलर्ट है। ड्रोन और एआई कैमरों से भी त्रिवेणी संगम की निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश बंद रखा गया है। आज लगभग दो करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। सुबह से 8 बजे तक 60 लाख से अधिक लोग स्नान कर चुके थे।

बुधवार को आखिरी स्नान पर्व के साथ 13 जनवरी से शुरू हुए 45 दिनी सबसे बड़े धार्मिक आयोजन का समापन हो जाएगा। स्नान पर्व के एक दिन पहले अफसरों ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। आईट्रिपलसी में बनाए गए कंट्रोल रूम में 24 घंटे के लिए टीम को तैनात किया गया है, जो हर वक्त हर गतिविधि पर नजर रखेगी। यह टीम घाटों पर, मेला क्षेत्र में, प्रमुख होल्डिंग एरिया, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए समन्वय बनाने का काम करेगी। जिससे भीड़ बढ़ने पर समय रहते ही श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र के बाहर ही रोका जा सके। मेला क्षेत्र पूरी तरह से एकल मार्ग रहेगा। काली सड़क से प्रवेश और त्रिवेणी मार्ग से निकासी के निर्देश सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को दिए गए हैं। 25 फरवरी तक 64.77 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में पहुंचकर डुबकी लगा चुके हैं। आज उमड़ी भारी भीड़ के मद्देनजर मेला क्षेत्र में हाई अलर्ट रखा गया है। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की वही व्यवस्थाएं लागू की गई हैं जो इससे पहले हुए वसंत पंचमी और माघी पूर्णिमा के स्नान के दिन थीं। हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की भी तैयारी की गई है। शिवभक्तों पर 25 क्विंटल फूल बरसाए जाएंगे।

शिव मंदिरों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता

महाशिवरात्रि पर प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु संगम स्नान तो करेंगे ही साथ ही आसपास के शिव मंदिरों में भी जाएंगे। मेला क्षेत्र की बात करें तो सबसे करीब के शिव मंदिरों में दशाश्वमेध, सोमेश्वर महादेव और मनकामेश्वर मंदिर है। इन मंदिरों में सुबह चार बजे से पहले ही शिव भक्तों की कतार लग जाएगी। ऐसे में डीएम महाकुम्भ नगर विजय किरन आनंद ने अफसरों को निर्देश दिया है कि यहां पर कम से कम दो अधिकारी लगातार निगरानी रखें, जिससे किसी प्रकार की समस्या न हो। मंदिर में प्रवेश और निकास पर ध्यान दें।

कल तक मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित

महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम हैं। मेला क्षेत्र को 27 फरवरी की सुबह आठ बजे तक नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। भीड़ देखते हुए प्रतिबंध बढ़ाया जा सकता है। संगम सहित अन्य स्नान घाटों पर पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं के आगमन और प्रस्थान का अलग-अलग मार्ग निर्धारित है।

स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयास करें महिलाएं : मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची बागेश्वर धाम, 251 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

गढ़ा (छतरपुर) (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश की महिलाओं का आह्वान करते हुए आज कहा कि महिलाएं स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयास करती रहें क्योंकि महिलाओं के सफल होने से समाज सफल होता है।

श्रीमती मुर्मु मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, खजुराहो सासंद और भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी उपस्थित थे।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वे 251 बेटियों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि हमारा समाज प्रगति के पथ पर आगे बढ़े, उनकी

यही कामना है। इसके साथ ही उन्होंने नवयुगलों को सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ये समारोह जन सहयोग से हो रहा है और इसमें नवयुगलों को आवश्यक सामान दिया जा रहा है। ये जनकल्याण का कार्य है। आज विवाह बंधन में बंधने वाले दंपत्ति इस दिवस की स्मृतियों को संजो कर रखेंगे, ऐसा विश्वास है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत की परंपरा में संतों ने सदा से अपने कर्मों और वाणी से जनमानस को राह दिखाई है। समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने समाज में फैले अंधविश्वास के प्रति जागरुक किया है। भेदभाव को दूर किया है। संतों ने महिला को समाज में उचित स्थान देने के प्रयास किए हैं।

उन्होंने कई संतों के नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने सदा समाज कल्याण के कार्य किए हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारे छोटे छोटे प्रयास बेटियों को सशक्त बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि वे सभी महिलाओं से कहना चाहेंगी कि वे स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें क्योंकि महिलाओं के सफल होने से समाज सफल होगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और राज्य से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 'तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।'

दोषी नेताओं पर लाइफटाइम बैन का केंद्र सरकार ने किया विरोध, सुप्रीम कोर्ट में कहा- अपराधी नेताओं के बारे में फैसला करेगी संसद

नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका का सुप्रीम कोर्ट में विरोध करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह की अयोग्यता लागू करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र द्वारा अदालत में दायर हलफनामे में केंद्र में कहा कि याचिका में यही मांग की गई है जो कानून को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है जो न्यायिक समीक्षा की शक्तियों से पूरी तरह बाहर है। ये सवाल कि क्या आजीवन प्रतिबंध उचित होगा या नहीं, ये पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में है। हलफनामे में कहा गया है कि दंड की कार्रवाई और जुर्माने को उचित समय अवधि तक सीमित रखने से सुधार सुनिश्चित किया जाता है। जबकि बेवजह की सख्ती से बचा जाता है।

केंद्र ने कहा कि दंड के प्रभाव को समय के आधार पर सीमित करने में कोई असंवैधानिक बात नहीं है और यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय के आधार पर या फिर परिणाम के आधार पर सीमित होता है। हलफनामे में कहा गया है, यह प्रस्तुत किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उचित परिवर्तन किया जाएगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के अलावा दोषी ठहराए गए राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

राज्यसभा नहीं जाएंगे अरविंद केजरीवाल

- आप ने अटकलों को किया खारिज

- सड़क की राजनीति और संगठनात्मक नेतृत्व को ही प्राथमिकता देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अटकलों पर पार्टी ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।प्रवक्ता प्रियंका ककड़ ने साफ शब्दों में कहा कि केजरीवाल राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में इस तरह की खबरें गलत हैं और अरविंद केजरीवाल किसी एक पद या सीट तक सीमित नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका ककड़ ने कहा, की पहले मीडिया सूत्र कह रहे थे कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे, अब कहा जा रहा है कि वह राज्यसभा जाएंगे। ये दोनों ही अटकलें गलत हैं। अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं, और उनकी भूमिका सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं हो सकती।

हाल ही में आप के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के पंजाब उपचुनाव लड़ने की खबरों के बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि उनकी जगह अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। इस चर्चा को तब और बल मिला जब दिल्ली में सत्ता गंवाने और अपनी सीट हारने के बाद केजरीवाल के भविष्य की राजनीति पर अटकलें तेज हो गईं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जाते, तो यह आप के लिए एक नई रणनीति हो सकती थी। इससे केजरीवाल संसद में सरकार को घेरने का एक नया मंच हासिल कर सकते थे। हालांकि, पार्टी

की प्रतिक्रिया से साफ हो गया है कि वह सड़क की राजनीति और संगठनात्मक नेतृत्व को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

केजरीवाल के राज्यसभा में नहीं जाने की घोषणा से यह भी साफ होता है कि वह अभी भी दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय बने रहेंगे। आप इस समय दिल्ली, पंजाब और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने में लगी है। पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भी रणनीति बना रही है, जिसमें केजरीवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

विकल्प को लेकर बोले थरुर- बीजेपी ने नहीं जाऊंगा उनकी विचारधारा अलग

-राजनीति में पार्टी के लिए जरूरी है वह विचार और सिद्धांत रखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने साफ कहा है कि वह बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। खास बात है कि थरूर ने हाल ही में कह दिया था कि अगर कांग्रेस को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास कई विकल्प हैं। इसके साथ ही उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें भी तेज हो गईं थी, जिसका बाद में थरूर ने खंडन भी किया था।

शशि थरु ने बीजेपी में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है और इसकी वजह विचारधारा में अंतर होना बताया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी मान्यताएं और इतिहास है। अगर आप उनकी मान्यताओं को नहीं मान सकते, तो किसी अन्य पार्टी में जाना गलत है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन स्वतंत्र होने का विकल्प हमेशा खुला है। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में मुझे लगता है कि सभी को पार्टी की, संगठन की, वाहन की जरूरत है जो उनके विचारों को आगे ले जाएं। राजनीति में एक पार्टी के लिए जरूरी है कि वह कुछ विचार और सिद्धांत रखे। नहीं तो विचारधारा या घोषणापत्र का कोई फायदा नहीं।

थरूर ने कहा पार्टी एक वाहन होता है। इसमें संगठनात्मक शक्ति होना जरूरी है, ताकि मूल्यों को आगे ले जाया जा सके और उन सिद्धांतों के साथ ताकत हासिल की जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी ने इसे आगे बढ़ाने की क्षमता दिखाई है, जो हम कई राज्यों में नहीं दोहरा सके। केरल में सीपीआईएम ने बीते दो चुनाव में अपनी क्षमता दिखाई है और मुझे इस पर बात करने में कुछ गलत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर बूथ पर संगठनात्मक कमी, कार्यकर्ताओं की कमी से जूझ रही हैं। हम कैडर आधारित पार्टी नहीं हैं। हमारे पास कई नेता हैं, लेकिन हमारे पास कार्यकर्ताओं की कमी है।

शादी के सवाल पर थरूर ने कहा कि उन्होंने जीवन में बहुत अनुभव ले लिया है। अब वह शादी नहीं करेंगे। बीते 10 सालों से मैं अकेला हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां उन्हें शादी के लिए कह रही हैं, लेकिन वह मौजूदा स्थिति से खुश हैं। जनवरी 2014 को शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर का निधन हो गया था जिसके बाद से वह अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

झारखंडः हजारीबाग में शिवरात्रि पर झंडा लगाने को लेकर बवाल, दो गुटों में जमकर पथराव और आगजनी

हजारीबाग के इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव में बुधवार की सुबह महाशिवरात्रि समारोह के लिए झंडे और लाउडस्पीकर लगाने को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद जल्द ही पथराव में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए। अफरा-तफरी में तीन मोटरसाइकिलों और एक बलेनो कार को आग लगा दी गई, जबकि एक अन्य मोटरसाइकिल और एक ऑटोरिक्शा में तोड़फोड़ की गई। साथ ही उपद्रवियों ने एक दुकान में भी आग लगा दी। कई लोगों को चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए हज़ारीबाग़ सदर अस्पताल ले जाया गया। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि आज सुबह हज़ारीबाग जिले के इचाक इलाके में साउंड सिस्टम चलाने को लेकर मारपीट और पथराव हो गया। पर्याप्त बल तैनात किए गए हैं और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और शांति है। हिंसा के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। जिला प्रशासन ने घटनास्थल पर तीन पुलिस स्टेशनों के कर्मियों को तैनात किया है, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सहित वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

तिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एलन मस्क को दिया बड़ा ऑफर, कहा- 'एक्स' में 2 बिलियन डॉलर निवेश के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने अब टेक जगत के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क को चौंकाने वाला प्रस्ताव दिया है। सुकेश ने दावा किया है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) में 2 बिलियन डॉलर (करीब 16,500 करोड़ रुपये) निवेश करने के लिए तैयार है। यह पेशकश उसने एलन मस्क को पत्र लिखकर की है।

तिहाड़ जेल से लिखे अपने पत्र में सुकेश चंद्रशेखर ने एलन मस्क को संबोधित करते हुए कहा, कि मैं X (ट्विटर) में 2 बिलियन डॉलर का निवेश करने को तैयार हूं। अगर आप मेरी पेशकश स्वीकार करते हैं, तो यह डील आपके लिए भी फायदेमंद साबित होगी।

सुकेश ने यह भी कहा कि वह एक्स को दुनिया का सबसे शक्तिशाली सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाना चाहता है और इसमें निवेश करके इसे एक नई ऊंचाई तक ले जाने की योजना बना रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर इतने बड़े निवेश की बात कैसे कर सकता है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब उसने ऐसा दावा किया हो। इससे पहले भी वह बड़े-बड़े दावों और विवादों में घिरा रहा है। जांच एजेंसियां पहले ही उसकी संपत्तियों और बैंक खातों की जांच कर चुकी हैं।

सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और दिल्ली पुलिस इस पत्र की सच्चाई की जांच कर रही हैं। इस बीच, एक्स के मालिक एलन मस्क या उनकी कंपनी की ओर से इस प्रस्ताव पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कौन है सुकेश चंद्रशेखर?

सुकेश चंद्रशेखर 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद है। उस पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत कई हाई-प्रोफाइल लोगों को ठगने के आरोप हैं। वह बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस और नोरा फतेही से जुड़े विवादों के चलते भी सुर्खियों में रहा है।

मस्क की कंपनी को मिलेगा ठग का पैसा?

अब सवाल यह उठता है कि क्या एलन मस्क सुकेश की इस अजीबोगरीब पेशकश पर कोई प्रतिक्रिया देंगे? या फिर यह दावा भी सुकेश की पुरानी कहानियों की तरह ही एक और सनसनीखेज स्टंट निकलेगा? फिलहाल, सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर मीम्स और चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मेरठ में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपए का इनामी बदमाश घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के मुंडाली थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अमिताभ यश ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान हरियाणा के झज्जर जिले के निवासी जीतू उर्फ जितेंद्र के रूप में हुई है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि वह गाजियाबाद जिले के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में 2023 में हुई हत्या के एक मामले में वांछित था और उस पर एक लाख रुपये का नकद इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि जितेंद्र को 2016 में झज्जर में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। यश ने बताया कि वह इसी मामले में 2023 में पैरोल पर जेल से बाहर आया था लेकिन उसके बाद वह फरार हो गया था और सुपारी लेने के बाद उसने गाजियाबाद जिले के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में हत्या की एक वारदात को अंजाम दिया था, जिसमें वह 2023 से फरार था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जितेंद्र जेल में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के संपर्क में आया और फरार होने के बाद उसने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया।

मकान में घुसी अनियंत्रित कार : चार श्रद्धालुओं की मौत, पांच जख्मी

प्रतापगढ़ (उप्र), । प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में बुधवार तड़के एक कार के अनियंत्रित होकर एक घर में घुस जाने से अयोध्या जा रहे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर क्षेत्र) शिव नारायण वैश ने बुधवार को बताया कि थाना देहात कोतवाली क्षेत्र में अयोध्या–प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित राजगढ़ गांव में बबुरहा मोड़ के पास आज तड़के लगभग ढाई बजे एक कार अनियंत्रित होकर एक घर में जा घुसी। उन्होंने बताया कि इस घटना में कार सवार सात लोगों के साथ–साथ घर में सो रही रेनू ओझा और उसके पति मनोज समेत नौ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। वैश ने बताया कि सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने राजू सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, कार चालक अभिषेक ओझा और सौरभ नामक एक अन्य व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। बाकी पांच घायलों का उपचार किया जा रहा है। कार सवार सभी सात लोग प्रयागराज महाकुम्भ में स्नान करने के बाद अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे। पुलिस नें चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कर्ज में डूबे किसान ने की गोली मारकर आत्महत्या

मुजफ्फरनगर (उप्र)। मुजफ्फरनगर जिले के झिंझाना क्षेत्र में कर्ज में डूबे एक किसान ने कथित रूप से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस क्षेत्राधिकारी श्याम सिंह ने बुधवार को बताया कि झिंझाना थाना क्षेत्र के पुरमाली गांव में मंगलवार को आजाद (50) नामक एक किसान ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसका शव उसके खेत में पाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। परिजन के मुताबिक किसान ने कर्ज के बोझ से लाचार होकर आत्महत्या की है। मृतक के भाई धर्मेंद्र के अनुसार आजाद ने अपनी पत्नी की बीमारी के इलाज के लिए पंजाब नेशनल बैंक और सहकारी समिति से छह लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज लिया था। इसे चुका ना पाने के कारण वह बेहद परेशान था। इसीलिये उसने अपने खेत में आत्महत्या कर ली। बहरहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

बरेली (उप्र)। बरेली जिले के इज्जत नगर क्षेत्र में शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी की इस कदर पिटाई की कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मंगलवार की रात इज्जत नगर थाना क्षेत्र के मोरनिया गांव निवासी शराब के नशे में धुत जितेंद्र का अपनी 28 वर्षीय पत्नी प्रिया से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि गुस्से में आकर जितेंद्र ने अपनी पत्नी को पीट–पीटकर अधमरा कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में महाशिवरात्रि पर गंगा में स्नान करते समय दो किशोरियां डूब गईं

मिर्जापुर (उप्र), । महाशिवरात्रि के अवसर पर गंगा में स्नान करते समय दो किशोरियां डूब गईं, जिनके शवों को गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद निकाल लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) चुनार मंजरी राव ने बताया, ''घटना चुनार कोतवाली थाना क्षेत्र के जलालपुर माफी गांव में हुई, जहां काजल (17) और कुसुम (16) स्नान करते समय नदी में डूब गईं। गोताखोरों की मदद से उनके शव बरामद किए गए।'' उन्होंने बताया, ''किशोरियों का एक समूह महाशिवरात्रि के अवसर पर सुबह में गंगा स्नान करने गया था। स्नान करते समय वे नदी के किनारे से दूर गहरे पानी में चली गईं और मोबाइल से सेल्फी लेने लगीं। अचानक वे डूबने लगीं। पास में स्नान कर रहे ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और उन्हें बचाने के लिए दौड़े।'' राव ने बताया कि स्थानीय लोग छह लड़कियों को बचाने में सफल रहे, लेकिन दो गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। सूचना मिलने पर सीओ मंजरी राव और कोतवाल रवींद्र भूषण मौर्य पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया। सीओ ने बताया, ''दोपहर तक दोनों लड़कियों के शव नदी से बरामद कर लिए गए।'' अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दलित युवती से छेड़छाड़ के आरोप में युवक के खिलाफ मामला दर्ज

भदोही (उप्र)। भदोही जिले में प्रयागराज से आई एक दलित युवती से जन सेवा केंद्र के अंदर छेड़खानी और अश्लील हरकत करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने इस मामले में दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को बताया कि प्रयागराज जिले के हंडिया क्षेत्र की रहने वाली युवती भदोही के ऊंज थाना क्षेत्र में स्थित अपने ननिहाल आयी थी। उन्होंने कहा कि वह 18 फरवरी की दोपहर सुभाष नगर स्थित में एक जनसेवा केंद्र पर अपना खाता खुलवाने गयी थी, जहां बाहर खड़े शिव शंकर मौर्य नामक युवक ने छेड़खानी करते हुए जबरदस्ती उसका हाथ पकड़ा और अश्लील बातें करने लगा। उन्होंने बताया कि लड़की का आरोप है कि मौर्य ने खुद को किसी पार्टी का जिला अध्यक्ष बता कर उसे धन का लालच देकर अपने साथ चलने को कहा और इस दौरान उसने लड़की से उसका मोबाइल फोन भी छीनने की पूरी कोशिश की, हालांकि लड़की किसी तरह उसके चंगुल से निकल कर जनसेवा केंद्र के अंदर पहुंच गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उस दिन से युवती जब भी बाहर निकलती वह उसका पीछा करता जिससे डर कर वो बाहर नहीं निकल रही थी। गुजरात के सूरत जिले में रहने वाले अपने भाई और मां से बात करके युवती अपनी बड़ी बहन के साथ मंगलवार की शाम ऊंज थाने पहुंची और भारतीय न्याय संहिता और एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि यह पता किया जा रहा है की शिव शंकर मौर्या किसी राजनीतिक पार्टी या किस संगठन का जिला अध्यक्ष है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह फरार है, उसे जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएस अफसर को कुचलकर मारने का प्रयास : चार दोषियों को 10–10 साल की सजा

बरेली (उप्र), । बरेली जिले की एक अदालत ने, वर्ष 2010 में एक महिला आईपीएस अधिकारी को कार से कुचलकर मार डालने की कोशिश के मामले में आरोपी यातायात पुलिस के तीन सिपाहियों और एक ऑटो रिक्शा चालक को दोषी करार देते हुए 10–10 वर्ष के कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। सहायक अभियोजन अधिकारी विप्रणा गौड़ ने बताया कि दो सितंबर 2010 की रात बरेली की सड़कों पर यातायात पुलिसकर्मियों की एक टोली ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर रही थी। कुछ समय बाद बरेली में पुलिस अधीक्षक (यातायात) के पद पर तैनात आईपीएस अधिकारी कल्पना सक्सेना मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि सक्सेना ने अवैध वसूली कर रहे सिपाही मनोज को पकड़ लिया। उसे बचाने की कोशिश में आरोपियों ने सक्सेना को कार से कुचलने की कोशिश की।

महाकुंभ: महाशिवरात्रि पर 1.18 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ और तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाना जारी है। दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ लोगों ने स्नान किया। मेला प्रशासन ने स्नानार्थियों पर 120 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कराई।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ में अभी तक 65.95 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं और शाम तक यह आंकड़ा 66 करोड़ को पार करने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर लोगों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''महाकुंभ 2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पधारे सभी पूज्य साधु संतों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन।''

उन्होंने कहा, ''त्रिभुवनपति भगवान शिव और पुण्य सलिला मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व पर तड़के चार बजे से ही व्यवस्थाओं को देखने के लिए नियंत्रण कक्ष में पहुंच गए। गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां वह स्नान पर्व पर पल-पल की निगरानी करते नजर आए।

'पुष्प वर्षा' के प्रभारी वी के सिंह ने बताया कि स्नानार्थियों पर हर बार गुलाब की 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई गई और कुल 120 क्विंटल पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा कराई गई है। उन्होंने बताया कि पहले दौर में सुबह आठ बजे पुष्प वर्षा कराई गई तथा सभी घाटों पर छह बार पुष्प वर्षा कराई गई। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाले महाकुंभ में पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को हुआ था। आज अंतिम स्नान पर्व है और महाशिवरात्रि पर ब्रह्ममुहूर्त से ही देश के कोने कोने से श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं।

महाकुंभ मेले में ना केवल भारत के कोने कोने से लोग आ रहे, बल्कि पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालु आए। नेपाल से आए चार किशोरों मनीष मंडल, रब्बज मंडल, अर्जुन मंडल और दीपक साहनी ने अपने चाचा डोमी साहनी के साथ महाशिवरात्रि पर संगम में डुबकी लगाई। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से चार दोस्त आकाश पाल, अभिजीत चक्रवर्ती, राजा सोनवानी और अभिषेक पाल महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे। आकाश पाल ने बताया, 'हम दोस्त हैं और पश्चिम बंगाल से प्रयागराज तक कार से आए। जहां वाहन की अनुमति खत्म हुई, वहां से पैदल चलकर संगम पहुंचे।

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालु गंगा और संगम में डुबकी लगाने के बाद शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में जाकर भगवान शंकर का जलाभिषेक कर रहे हैं। ब्रह्म मुहूर्त से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इन मंदिरों में सरस्वती घाट के निकट सिद्ध पीठ मनकामेश्वर मंदिर, दारागंज स्थित ब्रह्मेश्वर महादेव शिवकुटी स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर और अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर शामिल हैं। शिवालयों में भारी भीड़ को देखते हुए मेला प्रशासन ने शिवालयों के आसपास भारी सुरक्षा व्यवस्था की है। सभी प्रमुख शिव मंदिरों के परिसरों में पुलिस के साथ अर्द्ध सैनिक बल भी तैनात किए गए हैं।

हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक, समुद्र मंथन में भगवान शिव ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे समुद्र मंथन से अमृत कलश निकला और इसकी बूंदें जहां जहां गिरी, वहां कुंभ मेले का आयोजन होता है। महाकुंभ मेले के छह स्नान पर्वों में तीन स्नान पर्व अमृत स्नान के थे और ये 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और तीन फरवरी को बसंत पंचमी पर संपन्न हुए तथा सभी 13 अखाड़े अमृत स्नान करके मेले से विदा हो चुके हैं।

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मेला और जिला प्रशासन ने महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर ही जिले और मेला क्षेत्र को 'नो व्हीकल जोन' घोषित कर दिया। उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) (कुंभ) वैभव कृष्ण ने बताया, ''हमने श्रद्धालुओं की भीड़ संभालने के लिए मेला क्षेत्र में पांच प्रमुख शिवालयों पर व्यापक बंदोबस्त किए हैं। मंगलवार की तुलना में बुधवार को कहीं अधिक भीड़ होने की संभावना है।''

महाकुंभ में 66.21 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ-2025 का बुधवार को महाशिवरात्रि पर अंतिम दिन रहा। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक महाकुंभ में देश-विदेश से लेकर राजनीति, खेल, बॉलीवुड जगत की तक तमाम हस्तियों ने पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

महाकुंभ के अंतिम दिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए जानकारी दी है कि प्रयागराज महाकुंभ में कितने श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

सीएम योगी ने कहा कि 45 दिनों तक चले प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ 21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। विश्व इतिहास में यह अभूतपूर्व है, अविस्मरणीय है।

इसके साथ ही उन्होंने महाकुंभ को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, गंगा दूतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, नाविकों और महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों के लोगों का आभार व्यक्त किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित मानवता का 'महायज्ञ', आस्था, एकता और समता का महापर्व महाकुंभ-2025, प्रयागराज आज महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान के साथ ही अपनी पूर्णाहुति की ओर अग्रसर है। 13 जनवरी, पौष पूर्णिमा से प्रारंभ महाकुंभ-2025, प्रयागराज में 26 फरवरी, महाशिवरात्रि की तिथि तक कुल 45 दिवसों में 66 करोड़ 21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। विश्व इतिहास में यह अभूतपूर्व है, अविस्मरणीय है।'

उन्होंने लिखा, 'पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का यह महासमागम दिव्य और भव्य बनकर सकल विश्व को एकता का संदेश दे रहा है। इस सिद्धि के सूत्रधार सभी गणमान्य जनों, देश-विदेश से पधारे सभी श्रद्धालुओं तथा कल्पवासियों का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार।'

सीएम योगी ने लिखा, 'महाकुंभ के सुव्यवस्थित आयोजन के कर्णधार रहे महाकुंभ मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, गंगा दूतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र और प्रदेश सरकार के सभी विभागों सहित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी महानुभावों और संस्थाओं को साधुवाद। विशेष रूप से प्रयागराज वासियों का धन्यवाद, जिनके धैर्य एवं आतिथ्य सत्कार ने सबको सम्मोहित किया। मां गंगा, भगवान बेनी माधव आप सबका कल्याण करें।'

महाशिवरात्रि पर रामलला के दर्शन करने पहुंचे लाखों श्रद्धालु, कई मार्गों को किया डायवर्ड

अयोध्या, । यूपीप के अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ है। महाशिवरात्रि के मौके पर यहां आस्था का सैलाब उमड़ गया है। सुबह से ही श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं।

महाकुंभ से पहुंचे करीब 12 लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए यहां पहुंचे हैं। अयोध्या के नागेश्वरनाथ, क्षीरेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन–पूजन के लिए भक्तों की भीड़ है। प्रभु श्रीराम की नगरी में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। वैदिक रीति रिवाज के साथ भगवान भोलेनाथ का मां पार्वती के साथ वैवाहिक कार्यकम मनाया जा रहा है। लाखों की भीड़ की सुरक्षा को देखते हुए रात 9 बजे के बाद शिव बारात संशोधित मार्ग से निकाली जाएगी। महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए शिव–पार्वती का विवाह और जलाभिषेक को लेकर जिला प्रशासन ने बेहतर इंतजाम किए हैं। अयोध्या प्रशासन की ओर से महाशिवरात्रि पर्व पर शहर, अन्य स्थानों और जिलों से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाने के इंतजाम किए गए हैं। राम मंदिर के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद है। शहर के कई मार्गों पर डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। बड़े और छोटे वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई गई है। इस कारण श्रद्धालु पैदल चलकर प्रभु रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे है।

महाकुंभ आए श्रद्धालुओं ने राष्ट्रीय एकात्मकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों, प्रयागराज महाकुंभ, बाबा विश्वनाथ धाम, अयोध्या में देश–दुनिया से आए श्रद्धालुओं और प्रदेश के सभी देवालयों–शिवालयों में उमड़े आस्थावानों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का विशेष उल्लेख करते हुए कहा है कि यहां अब तक लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने राष्ट्रीय एकात्मकता और राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण का संदेश पूरी दुनिया को दिया है। महाशिवरात्रि पर बुधवार को गोरखपुर के प्रमुख शिवालयों के भ्रमण, दर्शन–पूजन और जलाभिषेक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुक्तेश्वरनाथ मंदिर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि आज महाशिवरात्रि है अर्थात देवाधिदेव महादेव की उपासना का विशेष दिवस। देवाधिदेव महादेव कल्याण के देवता हैं। वह सबके प्रति कल्याण का भाव रखते हैं। उनकी कृपा दृष्टि से ही सभी व्यवस्था संचालित हो पाती है। महाशिवरात्रि पर प्रयागराज महाकुंभ में, बाबा विश्वनाथ के धाम काशी में और प्रदेश के अन्य सभी महत्वपूर्ण शिवालयों में श्रद्धालुजन भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था निवेदित कर रहे हैं। हर जगह भारी भीड़ है और श्रद्धालुजन अपार श्रद्धा भाव के साथ दर्शन–पूजन कर रहे हैं। यह आस्था भारत की एकात्मकता का प्रतीक है। मैं इस आस्था को नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अपार भीड़ है। 13 जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुजन मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की त्रिवेणी में पावन डुबकी लगाकर राष्ट्रीय एकात्मकता का नया संदेश दे रहे हैं। वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ श्रद्धालु सभी को राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित होने की नई प्रेरणा भी प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ काशी विश्वनाथ धाम में भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटे हैं। पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से लगातार वहां पर 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन कर रहे हैं और आज तो महाशिवरात्रि भी है। अयोध्या धाम में भी यही स्थिति है। 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन वहां श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। अयोध्या में आज भी अपार भीड़ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी अन्य देवालयों जैसे गाजियाबाद में बाबा ददुग्धेश्वरनाथ धाम, बागपत में पुरा महादेवधाम, मेरठ के बाबा औघड़नाथ धाम, बाराबंकी के बाबा लोधेश्वरनाथ मंदिर, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, मुक्तेश्वरनाथ मंदिर, नाथनगरी बरेली, गोंडा, बस्ती में बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर, झारखंडी महादेव मंदिर, अयोध्या के नागेश्वरनाथ मंदिर, रुद्रपुर देवरिया के दुग्धेश्वरनाथ मंदिर, संतकबीरनगर के तामेश्वरनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी हुई है।

त्रिशूल और तलवार लहराते बाबा विश्वनाथ तक पहुंचे अखाड़े, साधु संत बोले - महादेव के आशीर्वाद से महाकुंभ रहा भव्य-दिव्य

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बुधवार सुबह से ही काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी हुई है। इस बीच, निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। इस अवसर पर उनके साथ नागा साधु संन्यासियों भी मौजूद रहे। हाथों में तलवार, त्रिशूल लहराते हुए बैंड बाजों संग पेशवाई निकाली गई।

निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पांच अखाड़ों ने सामूहिक रूप से महादेव का अभिषेक- पूजन किया और महादेव को शुभकामनाएं भी दीं। महाकुंभ को भव्य- दिव्य और शानदार बनाने के लिए हम सभी की हार्दिक सराहना करते हैं।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने मीडिया से बात करते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं आईजी, डीजीपी को बधाई देता हूं, जिन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया है। बाबा के दर्शन के साथ ही आज मेला भी समाप्त हो गया है।

मान्यता है कि प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के बाद साधु-संत काशी पहुंचते हैं और काशी पहुंचने के बाद पेशवाई निकाली जाती है। पेशवाई के माध्यम से साधु-संत अपने मुख्य कार्यालय पहुंचते हैं और महाशिवरात्रि के दिन अखाड़े अमृत स्नान करते हैं।

महाशिवरात्रि का यह उत्सव काशी में उस समय और भी खास हो गया, जब महाकुंभ का पलट प्रवाह यहां देखने को मिला। महाकुंभ और महाशिवरात्रि का यह संयोग वर्षों बाद बना है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है।

सीएम योगी के निर्देश पर मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने इस अपार जनसमूह को संभालने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बल, एटीएस कमांडो और एसटीएफ तैनात हैं। उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा करके हालात का जायजा ले रहे हैं। काशी में महाशिवरात्रि पर अखाड़ों की शोभायात्रा भी इस बार भव्यता के साथ निकली। जूना अखाड़े के नागा साधु त्रिशूल, तलवार और गदा लेकर 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए निकले। पेशवाई का स्वागत फूलों की वर्षा और माल्यार्पण के साथ किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु बाबा का दर्शन-पूजन कर रहे हैं। महाशिवरात्रि के मद्देनजर काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

महाशिवरात्रि : शिवालयों में उमड़ी भीड़, बाबा काशी विश्वनाथ के दरबार पहुंचे अखाड़े के संत

लखनऊ (एजेंसी)। महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे उत्तर प्रदेश भर में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वाराणसी में भव्य जुलूस से लेकर छोटे शहरों में शांतिपूर्ण अनुष्ठानों तक लोग भगवान शिव से आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। महाशिवरात्रि के पर्व पर वाराणसी में नागा साधुओं और अखाड़ों के साधु- संतों ने शोभा यात्रा निकाल कर बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया।

इस शोभा यात्रा में अखाड़ों के महामंडलेश्वर शाही रथ पर विराजमान हुए थे। काशी के लोगों ने 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। शोभा यात्रा में नागा साधु हाथ में त्रिशूल, गदा और तलवार लिए बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंचे और जलाभिषेक किया। इस दौरान डमरू की ध्वनि और 'हर हर महादेव' के उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिमय रहा।

शोभा यात्रा में शामिल निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानन्द गिरि महाराज ने कहा, 'साधु-सन्यासी महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का दर्शन करके कुंभ को पूर्ण मानते है। हम सब साधु-संत अपने भगवान के चरणों में उपस्थिति दर्ज कराने जा रहे है। महादेव ने महाकुंभ को विशाल और भव्य बनाया।'

उन्होंने कहा, 'हम सब साधु-संत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सफल महाकुंभ की बधाई देते हैं। इस बार कुंभ के स्वरूप को पूरी दुनिया ने देखा। सनातन को मानने वाले सभी लोगों ने कुंभ में डुबकी लगाई। 60 से 62 करोड़ लोगों ने यहां स्नान किया। यही राम राज्य की परिकल्पना है। अराजक लोगों को कुंभ अच्छा नहीं लगा।'

कैलाशानन्द ने कहा, 'सबसे पहले मैं महाकुंभ का निमंत्रण देने महादेव के पास आया था। आज उस महाकुंभ की पूर्णाहुति होने जा रही है। हम सब आज महादेव के चरणों में दर्शन पूजन कर महाकुंभ का समापन करने जा रहे हैं। आज सात अखाड़े काशी में उपस्थित हैं।' कैलाशानन्द ने कहा कि सभी साधु-संत महादेव से नासिक और उज्जैन में होने वाले आगामी कुंभ के सकुशल सम्पन्न होने की कामना लेकर आये हैं।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रशासन के मुताबिक, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम रंग-बिरंगी रोशनी से चमक रहा है और विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों से महक रहा है। महाशिवरात्रि के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य प्रांगण की भव्य आभा देखते ही बन रही है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के द्वार से लेकर सभी मंडपों, विग्रहों के मंदिरों की फूलों से आकर्षक सजावट की गई है।

मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि गेट नंबर- चार से लेकर गंगा द्वार तक की गई मनभावन सजावट को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए 25 फरवरी से 27 फरवरी तक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सभी तरह के प्रोटोकॉल पर रोक लगायी गई है।

उन्होंने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, छाया समेत सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं जिससे श्रद्धालु कतारबध्य होकर सुगमता से श्री काशी विश्वनाथ महादेव का दर्शन कर सकें।

मिश्रा ने कहा कि इस बार काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के भक्तों की संख्या का नया रिकार्ड बन सकता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ पूरी रात अपने भक्तों को दर्शन देंगे। यह क्रम 27 फरवरी की सुबह तक चलेगा।

सम्भल में 46 साल बाद खुले प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में इतने लम्बे अर्से बाद आज पहली महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मंदिर में जलाभिषेक कर रहे लोगों में श्रद्धा, उत्साह और भावना का संगम देखने को मिल रहा है। इस प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में सम्भल से ही नहीं, अन्य शहरों से भी श्रद्धालु कांवड़ में जल ले कर भगवान शिव को चढ़ाने और उनका जलाभिषेक करने आ रहे है।

श्रद्धालु अमन कुमार ने संवाददाताओं से कहा, ÷इस महाशिवरात्रि पर ब्रजघाट से कांवड़ लेकर आया हूं और इस प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर पर जीवन की पहली कांवड़

चढ़ाई है। मुझे बहुत खुशी की अनुभूति हो रही है।

श्रद्धालु संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने 46 साल बाद खुले इस प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में जल चढ़ाया है। ''मेरे लिए यह बड़ी खुशी की बात है।''

अलीगढ़ में हजारों की संख्या में कांवड़िए और श्रद्धालु सिद्धपीठ खेरेश्वर धाम महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए 'ओम नमः शिवाय' का जाप किया। प्रशासन ने भीड़ के लिए मंदिर तक सुगम पहुंच की व्यवस्था की है।

रायबरेली में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के मंदिरों में 'हर हर महादेव' के नारे लगाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शिव मंदिरों में लंबी कतारें लग गईं। लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

कानपुर में लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा आनंदेश्वर मंदिर में दर्शन किये। इसे 'कानपुर की छोटी काशी' के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर का महाभारत से ऐतिहासिक संबंध है और यह आस्था का प्रमुख केंद्र है। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगा जल और बेलपत्र चढ़ाए।

राजधानी लखनऊ में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। लोग पूजा-अर्चना के लिए शिव मंदिरों के बाहर कतारों में खड़े नजर आये।

ऑपरेशन लंगड़ा: 50 हजार के इनामी बदमाश से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से घायल, चोरी की बाइक व तमंचा बरामद

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : ग्रेटर नोएडा की दादरी पुलिस ने 50 हजार रुपये के इनामी व वांछित बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के पास से अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह बदमाश वर्ष 2022 में ट्रक लूट की बड़ी वारदात में शामिल था और तीन साल से फरार चल रहा था। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को थाना दादरी पुलिस बसंतपुर बांगर जाने वाली सड़क पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह तेजी से भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने तुरंत उसे काबू कर लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान 50 हजार रुपये के इनामी सोनू उर्फ निजाम (30 वर्ष) पुत्र मेहर उर्फ महरूद्दीन उर्फ अल्लामेहर निवासी खेकड़ा, बागपत के रूप में हुई है। आरोपी के पास से एक .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल

बरामद हुई है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एडीसीपी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि सोनू उर्फ निजाम वर्ष 2022 में थाना दादरी क्षेत्र के केएमपी एक्सप्रेसवे पर हुई ट्रक लूट की घटना में शामिल था। उसने अपने आठ अन्य साथियों के साथ मिलकर लोहे की चादरों से भरे ट्रक को लूटा था। इस मामले में उसके बाकी साथी पहले ही ट्रक व सामान समेत गिरफ्तार किए जा चुके हैं, लेकिन सोनू तीन साल से फरार था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी, जिसके चलते उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार बदमाश के कई ठिकाने बताए जा रहे हैं, जिनमें नई बस्ती पट्टी मुडाला नाला के पास खेकड़ा बागपत, पाठशाला रोड खेकड़ा बागपत, गली नंबर 2 गढ़ी मेंडू चौहान बांगर ब्रह्मपुरी सीलमपुर दिल्ली और शास्त्रीपुरम हैदराबाद शामिल हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके आपराधिक नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की जयंती की पूर्व संध्या पर भव्य रोड शो

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी ने बताया कि संगठन के जिलाध्यक्ष पंचशील गुर्जर,युवा जिलाध्यक्ष शिवा भाटी,जिला उपाध्यक्ष सचिन नागर व सुमित बैसोया द्वारा क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती के उपलक्ष में ग्रेटर नोएडा के सादोपुर गांव के हनुमान मंदिर से तिलपता बाबा फार्म हाउस तक कार और बाइक द्वारा रोड शो किया गया, जिसका भव्य समापन तिलपता बाबा फार्म हाउस पर हुआ।क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की जीवनी पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला एवं प्रदेश अध्यक्ष चन्दवीर नागर ने प्रकाश डाला और समाज के युवाओं से अपील की विजय सिंह पथिक के पद चिन्हों पर चलकर समाज का नाम रोशन करें। आज के इस रोड शो में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैसला,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नागर, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश, प्रदेश महामंत्री महेंद्र प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय भैया, प्रदेश उपाध्यक्ष रिंकू अधाना, प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी, प्रदेश महामंत्री चेनपाल प्रधान, प्रदेश मंत्री संजय भाटी, जिला अध्यक्ष कैप्टन पंचशील गुर्जर, बुलंदशहर जिला अध्यक्ष बृजेश अधाना, जिला उपाध्यक्ष सचिन नागर, जिला उपाध्यक्ष सुमित, सोनू गुर्जर, श्याम आर्य, और सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की जयंती की पूर्व संध्या पर भव्य रोड शो

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी ने बताया कि संगठन के जिलाध्यक्ष पंचशील गुर्जर,युवा जिलाध्यक्ष शिवा भाटी,जिला उपाध्यक्ष सचिन नागर व सुमित बैसोया द्वारा क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती के उपलक्ष में ग्रेटर नोएडा के सादोपुर गांव के हनुमान मंदिर से तिलपता बाबा फार्म हाउस तक कार और बाइक द्वारा रोड शो किया गया, जिसका भव्य समापन तिलपता बाबा फार्म हाउस पर हुआ।क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की जीवनी पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला एवं प्रदेश अध्यक्ष चन्दवीर नागर ने प्रकाश डाला और समाज के युवाओं से अपील की विजय सिंह पथिक के पद चिन्हों पर चलकर समाज का नाम रोशन करें। आज के इस रोड शो में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैसला,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नागर, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश, प्रदेश महामंत्री महेंद्र प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय भैया, प्रदेश उपाध्यक्ष रिंकू अधाना, प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी, प्रदेश महामंत्री चेनपाल प्रधान, प्रदेश मंत्री संजय भाटी, जिला अध्यक्ष कैप्टन पंचशील गुर्जर, बुलंदशहर जिला अध्यक्ष बृजेश अधाना, जिला उपाध्यक्ष सचिन नागर, जिला उपाध्यक्ष सुमित, सोनू गुर्जर, श्याम आर्य, और सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर टिकैत रसोई द्वारा भंडारे का भव्य आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा, 26 फरवरी 2025: महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सलारपुर स्थित शिव मंदिर में टिकैत रसोई द्वारा भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। भारतीय किसान यूनियन एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के उद्घोष के साथ प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरूआत भोलेनाथ और देवों के भोग अर्पण से हुई, जिसके बाद भव्य शिव आराधना, कन्या पूजन और संत महात्माओं के सत्कार का आयोजन किया गया। इसके उपरांत भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें भक्तों को श्रद्धा और प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान सेवा कार्य में जुटे सेवादारों में जलकेश बाबूजी, सुभाष नेताजी, कृष्ण भाटी, मनोज त्यागी, सुनील भाटी, सागर गुर्जर, सुधीर गुर्जर, पार्थ गुर्जर, गजेंद्र रेक्सवाल, अरविंद रेक्सवाल, सोनू त्यागी, गौरव भाटी, नवीन भाटी, निखिल चौधरी, हनी सिंह, सचिन भाटी, सरवन भाटी, अखिलेश यादव सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

महाशिवरात्रि के इस भव्य आयोजन ने भक्तों में अपार श्रद्धा और भक्ति का संचार किया, वहीं टिकैत रसोई के इस सेवा कार्य को लेकर समाज में सराहना की जा रही है।

जिला अस्पताल में आशा कार्यकर्ता पर पैसे लेने का आरोप

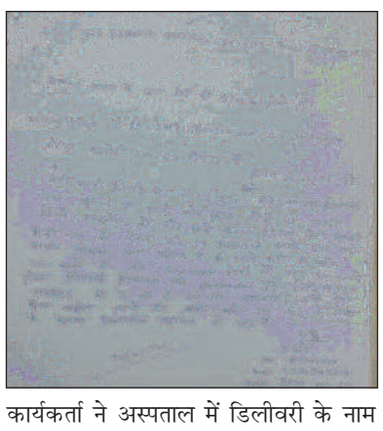

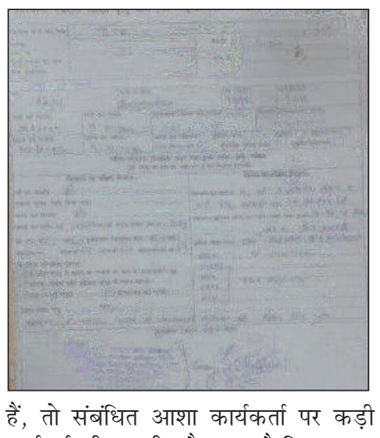

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा: जिला अस्पताल गौतमबुद्ध नगर में एक आशा कार्यकर्ता पर डिलीवरी के नाम पर 3500 रुपये लेने का आरोप लगा है। यह शिकायत चोटपुर कॉलोनी, सेक्टर-63, नोएडा निवासी ब्रजेन्द्र पाल ने की है। पीड़ित के अनुसार, 24 फरवरी 2025 को उसकी पत्नी रिंकी पाल को पेट में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद उसने आशा कार्यकर्ता प्रतिमा को फोन कर मदद मांगी। प्रतिमा मौके पर पहुंची और एंबुलेंस बुलाकर मरीज को जिला अस्पताल लेकर गई। ब्रजेन्द्र का आरोप है कि आशा कार्यकर्ता ने अस्पताल में डिलीवरी के नाम पर उससे 3500 रुपये ले लिए। इस घटना से परेशान ब्रजेन्द्र ने जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से इसकी लिखित शिकायत की और कार्यवाही की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में प्रसव की सभी सेवाएं निःशुल्क होती हैं, ऐसे में आशा कार्यकर्ता द्वारा पैसे लेना गलत है। जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ रेनू अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित आशा कार्यकर्ता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सरकार की ओर से मातृत्व सेवाओं को निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। ऐसे में यदि आशा कार्यकर्ता मरीजों से पैसे ले रही हैं, तो यह न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मरीजों के साथ धोखाधड़ी भी है। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है, ताकि भविष्य में अन्य गरीब मरीजों के साथ इस तरह की घटनाएं न हों।

विजय सिंह पथिक जयंती युवा एवं किसान सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा: विजय सिंह पथिक स्टेडियम, ग्रेटर नोएडा में 27 एवं 28 फरवरी 2025 को होने वाले "विजय सिंह पथिक जयंती युवा एवं किसान सम्मेलन" की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस भव्य आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशवीर सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिथियों के स्वागत-सम्मान, प्रतिभाओं के सम्मान समारोह, खान-पान, प्रचार-प्रसार सहित सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने बताया कि इस ऐतिहासिक जयंती समारोह में समाज से सांसद, विधायक, मंत्री और प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। इसके अलावा, क्षेत्र के बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया

गया है।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज में एक नया आयाम स्थापित करेगा। बैठक में हरिश्चंद्र भाटी, जिले सिंह, रूपचंद मुनीम, राजकुमार नगर एडवोकेट,विजय नागर, शेर सिंह भाटी, अशोक भाटी, सुनील भाटी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स को मीडिया पार्टनर के रूप में शामिल किया गया है, और जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने समाज के सभी लोगों से इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने की अपील की।

अम्प्रो ने पेश की ब्यूटी प्रोडक्ट की नई रेंज

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। विश्व की महिलाएं हमेशा से सजने-संवरने की शौकीन रही हैं और इसका फायदा ब्यूटी सैलून से लेकर बड़े ब्रांड्स उठाते हैं, भारत में महिलाएं सौंदर्य उद्योग या ब्यूटी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ग्राहक के तौर पर काफी आगे हैं, जहां एक तरफ ब्यूटी प्रोडक्ट्स में नए तरीकों और रुझानों का ट्रेंड चलता रहता है, वहीं दूसरी तरफ ये उद्योग लगातार नई चुनौतियों का सामना करता रहता है।

इसी कड़ी में नोएडा की स्थानीय कंपनी अम्प्रो ने भी लांच की है ब्यूटी प्रोडक्ट की नई रेंज। अम्प्रो के संस्थापक अमित पोरवाल ने बताया कि हमने सौंदर्य से जुड़े 106 प्रोडक्ट की बड़ी रेंज तैयार की है, जिसमें आज गोल्ड ब्लीच, व्हाइट चॉकलेट वैक्स, फेस वैक्स, केराटिन स्पा, शैंपू, डी-टेन क्रीम लॉन्च कर रहे है। हमारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स बहुत ही किफायती है और क्वालिटी में किसी भी ब्रांडेड प्रोडक्ट से कम नहीं है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मामलों की रोकथाम पर नोएडा की कंपनी में बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और उससे संबंधित कानून 2013 की जानकारी देने के लिए सत्यम एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, नोएडा में आंतरिक समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की ओर से रीचा कंचन ने कंपनी के सभी महिला और पुरुष कर्मचारियों को कानून से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। साथ ही, कार्यस्थल पर गठित आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों को उनके दायित्वों और प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। बैठक में बताया गया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित कोई शिकायत है, तो उसे घटना घटित होने के तीन माह के भीतर लिखित रूप में आंतरिक समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। समिति का दायित्व होगा कि वह तुरंत आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत की जांच करे और समाधान का प्रयास करे। यदि समिति का प्रयास विफल रहता है, तो प्रबंधन के उच्चाधिकारियों से संपर्क कर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो पाता, तो प्रबंधक या प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी सेवा शर्तों और स्थायी आदेशों के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेंगे। इसके अतिरिक्त, यह अनिवार्य है कि इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण और आंतरिक समिति की बैठकों का वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी तक जिले के जिला अधिकारी कार्यालय में जमा किया जाए। ऐसा न करने पर कंपनी के खिलाफ दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर 24/7 स्टोर, यात्रियों को मिलेगी हर सुविधा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर अब 24ग7 स्टोर की सुविधा शुरू कर दी गई है। एनसीआरटीसी द्वारा शुरू किया गया यह स्टोर यात्रियों को हर समय आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा। इस स्टोर में किराने का सामान, पेय पदार्थ, ताजा स्नैक्स, इंपोर्टेड उत्पाद और पर्सनल केयर से जुड़ी चीजें मिलेंगी। इसके अलावा, कामकाजी लोगों, छात्रों और अन्य यात्रियों के लिए त्वरित भोजन (क्विक मील) की भी सुविधा होगी। यात्रियों की जरूरतों को देखते हुए जल्द ही कॉरिडोर के अन्य स्टेशनों पर भी ऐसी ही सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

एनसीआरटीसी द्वारा यात्रियों की सहूलियत बढ़ाने के लिए पहले से ही नमो भारत स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार के खाद्य और पेय पदार्थों (एफ एंड बी) के स्टोर और आउटलेट खोले गए हैं। इनमें साहिबाबाद, गाजियाबाद और आनंद विहार स्टेशनों पर अमूल, नेस्कैफे, कोका-कोला, इटालियन बॉक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के आउटलेट शामिल हैं। इसके साथ ही एफ एंड बी वेंडिंग मशीन, एटीएम और स्मार्ट लॉकर की सुविधाएं भी यात्रियों के लिए उपलब्ध करवाई गई हैं। स्टेशन को अधिक स्वच्छ और आधुनिक बनाने के लिए हाल ही में गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर रोबोटिक मशीन द्वारा सफाई व्यवस्था शुरू की गई है। यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वॉशरूम और पेयजल की सुविधा भी निःशुल्क प्रदान की जा रही है। वर्तमान में 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत कॉरिडोर में से 55 किलोमीटर के खंड पर न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मेरठ साउथ तक कुल 11 स्टेशनों पर सेवाएं संचालित की जा रही हैं। बाकी के निमार्णाधीन हिस्सों पर तेजी से कार्य प्रगति पर है। इस नई पहल के तहत गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन को एक आधुनिक, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

संपादकीय

अधूरी योजनाएं

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्यों से सुप्रीम कोर्ट ने कूड़ा प्रबंधन को लेकर जवाब तलब किया है। पीठ ने कहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन 2016 के नियमों का पालन करने से देश के सभी शहर प्रभावित हुए हैं। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर तेजी से चल रहे काम पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने कहा कि कचरा प्रबंधन नियमों का पालन किए बगैर शहरों को स्मार्ट कैसे बनाया जा सकता है। बिजली परियोजनाओं के अधिक प्रदूषण पर भी कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। दिल्ली के करीबी राज्यों से पीठ ने हलफनामा दाखिल करने और कार्यदायी संस्थाओं के साथ मिल कर योजना तैयार करने को भी कहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड.से भी कोर्ट ने कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजनाओं के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जानकारी मांगी है। दिल्ली में प्रति दिन तीन हजार टन कूड़ा बगैर प्रतिबंधित हुए रह जाता है। राजधानी में गाजीपुर और भलस्वा में लगातार फेंके जा रहे कचरे और अवैध डंपिंग को लेकर पहले भी कोर्ट दिल्ली सरकार को सख्त निर्देश दे चुकी है। हालांकि यह समस्या देश भर की है। 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के ऐसे शीर्ष देशों में शामिल है, जो पृथ्वी के कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। सरकारी अनदेखी का आलम यह है कि कचरे को उसके स्रोत से पृथक्करण में लापरवाही बरती जा रही है। स्मार्ट सिटी और शहर सुंदरीकरण के नाम पर नित नई योजनाओं का ऐलान करने और उनका प्रचार करने में जितनी मशक्कत की जा रही है, उसकी आधी भी कचरे के उचित प्रबंधन में की जाए तो समस्या इतनी विकराल न हो। प्रबंधनीय त्रुटियों का नतीजा है कि वायु प्रदूषण के साथ ही जल और मिट्टी का संदूषण बढ़ता ही जा रहा है जिसका सीधा असर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर नजर आ रहा है। हृदय संबंधी बीमारियां, श्वास और त्वचा रोग, कैंसर जैसी बीमारियों के बढ़ने के यही मुख्य कारण हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अकेले प्रति टन कागज की रीसाइकिलिंग से 17 पेड़.और 50प्र. जल बचाया जा सकता है। यह कहना गलत नहीं है कि अपने समाज में नागरिकों के भीतर स्वच्छता रखने या घरेलू कचरा यत्र-तत्र फेंकने पर अंकुश रखना मुश्किल है। बावजूद इसके स्थानीय निकायों और सरकारी व्यवस्था का जिम्मा है कि अपने इलाकों से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन को लेकर गंभीर हों।

चिंतन-मनन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषर्गांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है! डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है। इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

ललित गर्ग

मोटापा वर्तमान युग की एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या एवं एक दीर्घकालिक बीमारी है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं एवं असाध्य बीमारियों का कारण बन सकती है और आपके जीवन को छोटा कर सकती है। दुनिया भर में मोटापे के शिकार एक अरब से ज्यादा लोगों में 88 करोड़ लोग वयस्क हैं जबकि 15 करोड़ 90 लाख बच्चे हैं। महिलाओं में मोटापा बढ़ने की सबसे तेज गति देखने को मिल रही है। आज मोटापा समस्या नहीं महामारी बन गया है।

स्वाधीनता का उपासक, दमन व स्वेच्छाचारिता का काल 'विजय सिंह पथिक'।

लेखक आर्य सागर तिलपता ग्रेटर नोएडा ।

अतीत का स्वर्णिम वैदिक काल हो या पराधीनता का मुगलों व अंग्रेजों का काल हो ,समय- समय पर भारत माता वीर -वीरांगनाओं का प्रसव करती रही है। इसकी कोख कभी बांझ नहीं हुई अर्थात भारत माता की वीर पुत्रियों की कोख से वीर संताने जन्म लेती रही ऐसी ही एक माता 'कंवल (कमल) कौर' की कोख से 27 फरवरी 1882 को हमारे क्रांति नायक ,राष्ट्र पथिक, राजस्थान केसरी ,भूप सिंह गुर्जर जो कालांतर में विजय सिंह पथिक के नाम से सुविख्यात हुए, उनका जन्म हुआ। विजय सिंह पथिक का जन्म संयुक्त प्रांत उत्तर प्रदेश के गंगा- यमुना के बीच के सर्वाधिक बड़े जनपद बुलंदशहर के गुर्जर राठी गोत्रीय गांव गुठावली में पिता हमीर सिंह के घर में हुआ। में थोड़ा परिचय विजय सिंह पथिक के कुल का भी देना आवश्यक समझता हूं जिसमें विजय सिंह पथिक का जन्म हुआ पथिक जैसा असाधारण व्यक्तित्व साधारण परिवार में जन्म ले ही कैसे सकते हैं । ईश्वर सभी की मनोकामना पूरी करता है एक कहावत भी है' दादा पोते के रूप में जीवित होता है' ऐसे ही विजय सिंह पथिक का जन्म अपने दादा के स्वाधीनता के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए ही मानो उनका जन्म हुआ था। पथिक जी का अपने लिए जीने का कोई उद्देश्य ही नहीं था। दरअसल विजय सिंह पथिक के दादा इन्द्र सिंह गुर्जर 1857 के स्वाधीनता संग्राम में बलिदान हो गए थे पास की ही एक रियासत पर अंग्रेजों की गोलाबारी में । बताया जाता है उस रियासत कतिपय मामलों के प्रबंध की जिम्मेदारी इन्द्र सिंह गुर्जर पर भी थी। विजय सिंह पथिक क्रांतिकारियों के उस परिवार से आते हैं जिसकी तीन पीढ़ी ही स्वाधीनता संग्राम के होम में आहूत हो गई थी, जैसा शहीद भगत सिंह का परिवार था। वीरता व बलिदानों का ऐसा आख्यान काल्पनिक उपन्यासों में तो बहुतायत में मिल जाएगा लेकिन इतिहास में बहुत कम मिलता है।

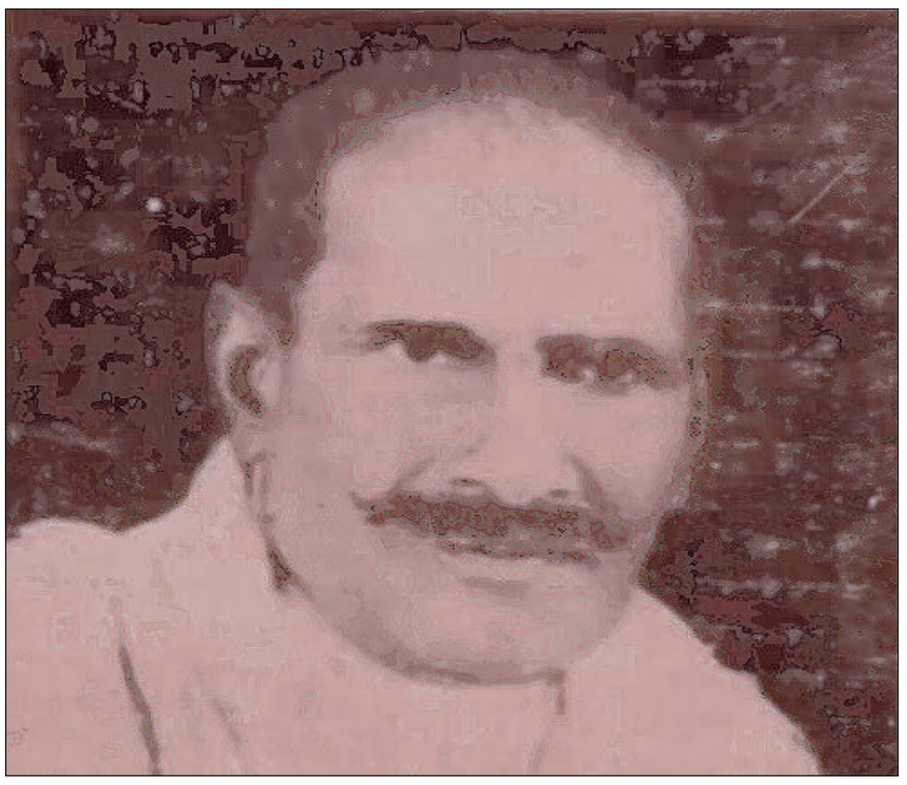

पथिक जी बाल्यावस्था में ही माता-पिता के स्नेह से वंचित हो गए। उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव के ही पास एक प्राइमरी स्कूल में हुई । अपनी शिक्षा दीक्षा व जन्म को लेकर पथिक जी ने अपने विरचित गद्य व पद्य प्रधान साहित्य अपने द्वारा संपादित आधा दर्जन से अधिक अखबारों में कभी कोई उल्लेख नहीं किया । यह उनकी निष्काम महान मनोवृति का ही परिचायक है वैसे भी क्रांतिकारियों को अपने आत्म प्रचार से घृणा ही होती है एक क्रांतिकारी व एक जीवन मुक्त योगी की मनोदशा में कुछ खास अंतर नहीं होता यह इसका बोधक है। जन्म के विषय में पथिक जी ने केवल इतना ही लिख भर छोड़ा है कि उनका जन्म होली से अगले दिन हुआ था । वहीं उनकी शिक्षा दीक्षा के संबंध में एक साक्ष्य इस बात से मिलता है प्रसिद्ध इतिहासकार साहित्यकार जो बुलंदशहर के ही 'चादोक' गांव के निवासी थे आचार्य चतुरसेन जिन्होंने वैशाली की नगरवधू, भारत में इस्लाम, गोली जैसे असंख्य उपन्यास इतिहास के ग्रंथ लिखे वह उनके सहपाठी थे । आर्य समाज के विद्वान आचार्य चतुरसेन जी की शिक्षा दीक्षा गुरुकुल महाविद्यालय सिकंदराबाद में हुई थी ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है प्राथमिक शिक्षा के बाद पथिक जी की आगे की शिक्षा संभवतः गुरुकुल सिकंदराबाद में ही पूरी हुई हो यद्यपि यह अनुसंधान का विषय है। यहां उल्लेखनीय होगा 1901 में स्थापित गुरुकुल सिकंदराबाद मंडी श्याम नगर में उस समय क्रांतिकारियों का जमघट रहता था आर्य समाज के अनेकों प्रचारक उपदेश यहां निवासरत थे इस गुरुकुल में पढ़ें विद्यार्थियों ने नेपाल में जाकर नेपाल की राजशाही के विरुद्ध पंडित शुक्राज के नेतृत्व में क्रांति भी की थी उन सभी को फांसी हुई थी। अपनी शिक्षा दीक्षा के पश्चात पथिक जी इंदौर अपनी बहन के पास आ गए वहां बताया जाता है उनके बहनोई राजकीय सेवा में सेवारत थे।

आज इतिहास इस बात का साक्षी है इंदौर शहर को ही यह गौरव प्राप्त हुआ जहां हमारे क्रांति नायक विजय सिंह पथिक स्वाधीनता के पथ पर आरुढ हुए। भूप सिंह राठी को विजय सिंह पथिक बनाने वाला यही शहर था। एक घटना इसका निमित्त बनी । बनारस में जन्मे और प्रसिद्ध बंगाली क्रांतिकारी सचिंद्रनाथ सान्याल से उनकी इन्दौर में मुलाकात हुई ।क्रांतिकारियों के नायक सचिंद्रनाथ सान्याल की पारखी नजर ने भूप सिंह राठी से पहली मुलाकात में ही उनकी ओजस्विता तेजस्विता को भांप लिया। सत्येंद्र नाथ सान्याल कोई आम क्रांतिकारी नहीं थे उनका लिखा गया ग्रंथ 'बंदी जीवन' क्रांतिकारियों की गीता कहलाती है।

भूप सिंह राठी की सान्याल जी से मुलाकात के पश्चात उनकी मुलाकात अन्य महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस से हुई जिन्हें पंजाब में सशस्त्र क्रांति की जिम्मेदारी दी गई वहीं भूप सिंह राठी जी को राजस्थान में सशस्त्र क्रांति की जिम्मेदारी दी गई।

उन दिनों राजस्थान में अंग्रेज फौजियों की तोड़ेदार बंदूको के स्थान पर उन्हें राइफल दी गई तोड़ेदार बंदूको को रियासत में खुली बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया वहीं भूप सिंह उर्फ विजय सिंह पथिक व भाई बाल मुकुंद जिन्हें पानीपत की जेल में फांसी दी गई एक महान क्रांतिकारी थे दोनों ने तोड़ेदार बंदूको का संग्रह किया ।बताया जाता है 3000 से अधिक बंदूकें इकट्ठी की गई।

राजस्थान में अपने काम को अंजाम देकर पथिक जी ने रासबिहारी बोस के साथ मिलकर गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग की रेल पर बम से दिल्ली दरबार के दौरान हमला किया जिसमें वह बच गया। पश्चात में गदर पार्टी के लाहौर कांड, दिल्ली बम कांड को लेकर क्रांतिकारियों की चारों ओर धर पकड़ शुरू हो गई जिसमें 100 से अधिक क्रांतिकारियों को फांसी दी गई। ऐसे में भूप सिंह गुर्जर ने अचूक रणनीति के तहत अपना नाम ,वेस भूषा व भाषा तीनों को ही बदल दिया दाढ़ी मूछ नहीं रखने वाले पथिक जी राजपूतने के सरदारों की तरह बड़ी-बड़ी दाढी रखने लगे वह सर पर पगड़ी व राजस्थानी मारवाड़ी बोलने लगे।

1915 में जेल से फरार होने के बाद भूप सिंह गुर्जर महीनों तक राजस्थान के गांवों की खाक छानते रहे। उन्होंने अपनी दाढ़ी और सिर के बाल बढ़ाकर साधु का वेश धारण कर लिया और अपना नाम बदलकर विजय सिंह पथिक रख लिया। कांकरोली, भाना, मोही गांवों के बाद ओछड़ी गाँव को अपना ठिकाना बनाया। यहां 1915 में उन्होंने हरिभाई किंकर के साथ मिलकर ह्यविद्या प्रचारणी सभाह्न की स्थापना की। इस सभा के माध्यम से पथिक नौजवानों को पढ़ाते और उनमें देशभक्ति की भावना पैदा करते।

पथिक जी एक दर्जन से अधिक हिंदी अंग्रेजी बांग्ला संस्कृत सहित अन्य देसी भाषा व बोलियो के जानकार थे ।उनके समकालीन उनके मित्र प्रसिद्ध साहित्यकार पत्रकार बनारसी दास चतुर्वेदी लिखते हैं कि इतिहास व राजनीति विषय पर पथिक जी जैसा पंडित मैंने आज तक नहीं देखा।

पत्रकारिता की उन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा नहीं ली थी लेकिन पत्रकारों के कुलपिता कानपुर के गणेश

शंकर विद्यार्थी पथिक जी के पत्रकारिता कौशल ज्ञान के कायल थे। पथिक जी के क्रांति पर लेख उनके पत्र प्रताप में अक्सर प्रकाशित होते थे। लेखो की भाषा इतनी राजनीतिक विचार उत्तेजक सदैव होती थी कि पाठक वर्ग में खलबली मच जाती थी। अंग्रेज प्रतिशोध में बावले हो उठते थे। प्रताप में पथिक जी के क्रांतिकारी लेख उनके छद्म नाम से प्रकाशित होते थे ऐसे में अंग्रेज मूल लेखक तक नहीं पहुंच पाते थे लेकिन अखबार की हजारों प्रतियो को जगह-जगह छापा मारकर जप्त जरूर किया जाता था।

पथिक जी ने अपने जीवन में तरुण राजस्थान, राजस्थान संदेश, नवीन राजस्थान संदेश सहित एक दर्जन से अधिक समाचार पत्रों का संपादन किया अंग्रेज उनकी प्रेस पर छापे मारते तो पथिक जी किसी दूसरे स्थान पर नया अखबार शुरू कर देते।

1920 के आसपास पथिक जी ने यह अनुभव किया साम्राज्यवाद व सामंतवाद दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू है। सशक्त क्रांतिकारी योजना को अंजाम देते हुए अपने राजस्थान प्रवास में पथिक जी ने यह अनुभव किया की 1857 के स्वाधीनता संग्राम सशस्त्र विद्रोह की असफलता का एक कारण यह भी था इसमें राजस्थान की प्रजा ने हिस्सा नहीं लिया था राजस्थान की रियासतों के राजा सामंत अंग्रेजों के साथ मिले हुए थे। स्वाधीनता संग्राम को सहायता तो दूर राजपूताने के अनेक राजाओं ने अंग्रेजों के साथ अपनी सेना भेजी थी विद्रोह को कुचलने के लिए वीर सावरकर ने इस विषय पर बहुत कुछ लिखा है। दूरदर्शी पथिक जी इस कमजोरी को भाप गए।

उन दिनों राजपूताने के राजाओं की स्वामी भक्ति भारत के प्रति न होकर अंग्रेजों के प्रति थी इस संबंध में अनेक इतिहासकारों ने लिखा है वीर सावरकर ने भी अपनी पुस्तक में लिखा है ।वही आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने भी इस पर बहुत प्रकाश डाला है। उनका बलिदान भी अजमेर में हुआ था यह भी एक संयोग है ।पथिक जी का बलिदान भी अंत में अजमेर में ही हुआ।

पथिक जी ने राजपूताने की प्रजा की लोकतांत्रिक चेतना को जागृत किया उन्होंने राजपूताने के सामंतवादी प्रजा पर जुल्म करने वाले सामंतों ठिकानेदारों जागीरदारों के विरुद्ध एक अहिंसक क्रांति का सुत्रपात किया ।पथिक जी क्रांतिकारियों के उस वर्ग से आते हैं जो शस्त्र व शास्त्र दोनों में निपुण थे। एक तरफ पथिक जी जहां बंदूक से क्रांतिकारी करने में माहिर थे वही वह कलम के भी धनी थे ।पथिक जी महान पत्रकार होने के साथ-साथ महान लेखक साहित्यिक प्रतिभा के भी धनी थे ।इसका परिचय हमें उनके द्वारा लिखित साहित्य से मिलता है ।उनकी मृत्यु के प्रांत उनके साहित्यिक कार्यों का संपादन उनकी वीरांगना पत्नी माता 'जानकी' ने कराया था मथुरा के एक प्रकाशन हाउस से। जैसा नाम वैसा ही इस देवी का आचरण था। इस देवी के त्याग तप पर कभी अन्य लेख में लिखा जाएगा। बस इतना मात्र कहुंगा यह देवी क्रांतिकारी भगवती चरण बोहरा की पत्नी वीरांगना दुर्गा भाभी की तरह प्रचारित नहीं हो पाई, जिसने लाहौर सांडर्स वध कांड में भगत सिंह राजगुरु सुखदेव को अपने घर पर शरण दी थी कोलकाता में उनके छुपने में मदद की थी।

पथिक जी ने अपनी नई क्रांति का सूत्रपात उदयपुर रियासत के बिजोलिया ठिकाने से किया ।उदयपुर के राजा फतेह सिंह व उसके जागीरदार वहां की स्थानीय आदिवासी प्रजा व किसानों पर जुल्म करते थे 80 से अधिक प्रकार के कर अंग्रेजों के निर्देश पर उस गरीब प्रजा पर लगाए गए थे। कोई राजा कितना क्रूर हो सकता है इसकी सीमा मेवाड़ अजमेर आदि के राजाओं ने पार कर दी थी। 17वीं शताब्दी में जोधपुर के राजा अभय सिंह के निर्देश पर खेजड़ी गांव के बिश्नोई समाज के 350 से अधिक लोगों का सामूहिक नरसंहार अभय सिंह के सैनिकों ने कर दिया था। बात केवल इतनी सी थी अभय सिंह के नवनिर्मित महल के लिए लकड़ी चाहिए थी और बिश्नोई समाज पेड़ों की पूजा करता है उनका संरक्षण करता है गांव के लोग पेड़ों को काटने का विरोध करने लगे। राजपूताना की ऐसी असंख्य घटनाओं से आए दिन त्रस्त होता था जबकि इन राजाओं की पूर्वज राजा बहुत ही दयालु प्रजा वत्सल रहे उल्लेखनीय होगा पथिक जी ने जहां क्रांति की वह इलाका उदयपुर की रियासत की अधीनता है और 15वीं शताब्दी में इस रियासत के एकमात्र जीवित उत्तराधिकारी की रक्षा एक वीर गुजरी माता पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर की थी तब जाकर राणा सांगा का वंश चल पाया लेकिन किसको क्या पता था राणा सांगा के वंशज ही आगे चलकर महाराणा प्रताप के नाम को धूमिल करके प्रजा को दुख देने लगेंगे । खैर हम अपने विषय पर आते हैं पथिक जी ने वहां लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया नतीजा सामंतों के प्रति मारवाड़ में एक नई क्रांति का सूत्रपात हुआ यह देख अंग्रेज बौखला गए क्योंकि अंग्रेजों को राजपूताने से भारी राजस्व की वसूली होती थी अंग्रेजों ने पथिक जी पर मेवाड़ व अजमेर में अनेक राजद्रोह के फर्जी मुकदमे लगाए लेकिन पथिक जी उनमें निर्दोष साबित हुए अंत में अंग्रेजों के इशारे पर उदयपुर के महाराणा फतेह सिंह ने अपने न्यायालय में पथिक जी को प्रजा को भड़काने के आरोप में 5 साल का कठोर कारावास दिया। अंग्रेजों ने उनके विषय में प्रचारित किया- यह एक डाकू है जो संयुक्त प्रांत से आया है और राजस्थान में गड़बड़ मचा रहा है । शेर को पिंजरे में बंद कर उसके मुंह पर थूकना इसी को कहते हैं।

पथिक जी को अनेक वर्षों तक यात्ना दी गई ।इस संबंध में उनके मित्र बनारसी दास चतुर्वेदी ने लिखा - "मेरी जब पथिक जी से भेंट हुई तो बड़े दुख की बात है उनके शरीर में खून नहीं है उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है ,दिसंबर 1923 में उन्होंने ऐसा लिखा था"।

यहां उल्लेखनीय होगा पथिक जी द्वारा संचालित बिजोलिया किसान आंदोलन आज भी विश्व का ऐसा अनूठा आंदोलन है जो 44 वर्ष तक चला यहां तक की इंग्लैंड के विरुद्ध आयरलैंड का आंदोलन ,खुद इंग्लैंड की किसान क्रांति और फ्रांस का आंदोलन भी इतना लंबा नहीं चला वहीं कांग्रेस द्वारा प्रायोजित असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलन तो कुछ महीने में ही चलकर बंद हो गए। बिजोलिया किसान आंदोलन केवल किसान आंदोलन नहीं था अपितु यह सीधे-सीधे भारत की आजादी का आंदोलन था ।1857 की क्रांति पर जो कलंक राजपूताने की वीर भूमि पर लगा हुआ था। उस कलंक को इस आंदोलन ने धो दिया था। पूरे राजपूताने में स्वाधीनता की चिंगारी भड़क उठी ।पथिक जी ने जो कार्य वहां प्रजा वर्ग में किया उसका लाभ लोह पुरुष सरदार पटेल को मिला। कुछ इतिहासकार कहते हैं यदि पथिक जी राजपूताने की धरती पर क्रांति का शंखनाद ना करते तो राजपूताने की 15 से अधिक रियासतों के राजा देश की आजादी के पश्चात अपनी स्वतंत्रता के पक्ष में थे ना ही उनकी इच्छा भारत विलय में थी ना ही पाकिस्तान विलय में। वह पथिक जी ही थे जिनके कारण राज्य पुनर्गठन आयोग को आधुनिक राजस्थान राज्य के गठन में केवल 7 वर्ष लग गए यदि पथिक जी का सहयोग ना मिलता तो यह काम आसान नहीं था।वर्तमान राजस्थान राज्य जो बेहद संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है होने के कारण इसका गठन नहीं हो पाता।

भारत की देशी रियासतों के संघ के उपाध्यक्ष के तौर पर पथिक जी ने इस क्षेत्र में भी बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। इस विषय में बहुत कम अध्ययनशील लोगों को जानकारी है ।पथिक जी ने अपनी उपलब्धियां को कभी भी प्रचारित नहीं किया।

1928 में पथिक जी ने 'व्हाट आर इंडियन स्टेट' पुस्तक देसी रियासतों पर लिखी इस पुस्तक का दुर्भाग्य से आज प्रिंट संस्करण उपलब्ध नहीं है। लेख के लेखक का यह प्रयास है इस पुस्तक को या इसकी पांडुलिपि को हासिल किया जाए।

बिजोलिया सत्ताग्रह से पथिक जी की धूम पूरे देश में मच गई ।यहां तक की महात्मा गांधी उनके सत्याग्रह संचालन प्रबंधन, जोशीली भाषण कला कर्मठता के कायल थे। पथिक जी का महात्मा गांधी के साथ अनेक वर्षों तक पत्र व्यवहार हुआ अनेक अवसरों पर भेंट हुई। महात्मा गांधी के आग्रह पर पथिक जी ने वर्धा गुजरात में भी सहकारिता के विषय में लोगों को जागरूक किया। वहां से एक अखबार भी निकाला कुछ दिन में ही पथिक जी का कांग्रेस की राजनीतिक विचारधारा से मोह भंग हो गया कांग्रेस को आर्थिक सहायता देने वाले पूंजीवादी उद्योगपति घराने बजाज व बिरला से भी पथिक जी के कुछ विषय को लेकर मतभेद हुए ।पथिक जी को यह आशंका थी वह एक दुरदृष्टा थे की-- स्वाधीनता के उपरांत यदि हमने व्यवस्था परिवर्तन नहीं किया तो कहीं यह उद्योगपति सेठ औद्योगिक घराने सामंतवादी राजाओं व अंग्रेजों का स्थान ना ले ले पथिक जी की यह आशंका आज कितनी सत्य सिद्ध हुई है यह इस लेख का लेखक आप पाठकों के ऊपर छोड़ता है ।इतना ही नहीं भारत के स्वाधीनता संग्राम के नेता समाज सुधारक देश को पहली बार लोक अदालतों का विचार देने वाले गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद के शुद्धि आन्दोलन कार्यों से चिढ़कर जिहादी मुसलमान अब्दुल रशीद ने उनकी हत्या कर दी तो महात्मा गांधी ने अंग्रेजी सरकार से हत्यारे की माफी के लिए पत्र व्यवहार किया जैसे ही पथिक जी को यह पता चला तो पथिक जी ने पत्र लिखकर गांधी जी के इस कृत्य का विरोध किया ।खुद गांधी जी को पत्र लिखकर पथिक जी को सफाई देनी पड़ी कि उन्होंने सरकार के साथ इस संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया है लेकिन अपने 'यंग इंडिया' अखबार में हिंदू जनता से यह अपील किया विशेष तौर पर आर्य समाजियों से कि वह इस हत्यारे मुस्लिम युवक को माफ कर अहिंसा का परिचय दें ।यह 1926 की घटना है। इसके पश्चात पथिक जी ने राजस्थान आकर अपने अधूरे कार्य को अंजाम दिया इतना ही नहीं काकोरी कांड के कैदियों पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ठाकुर रोशन सिंह अशफाक उल्ला खान आदि को छुड़ाने के लिए भी पथिक जी ने एक व्यापक बौद्धिक अभियान चलाया था ।पथिक जी एक मानवतावादी क्रांतिकारी थे क्रांति में बलिदान होने वाले अनाथ परिवारों का भी वह ख्याल रखते थे उनके लिए तथा संभव आर्थिक सहायता का भी वह प्रबंध करते थे । पथिक जी को समर्पित 'क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक स्मृति ग्रंथ' में अनेकों लेख पथिक जी के इस मानवतावादी दर्शन पर प्रकाश डालते हैं।

पाठक जी का जीवन इतना सादा था जैसा अपनी लेखनी से लिखा ऐसा ही तप त्याग सादगी संयम का जीवन उन्होंने जिया उदाहरण के लिए पथिक जी की निम्न प्रसिद्ध रचना।

यश वैभव सुख की चाह नहीं।
परवाह नहीं जीवन ना रहे।।
यही इच्छा है यह है जग में ।
स्वेच्छाचार दमन न रहे।।

उपरोक्त पंक्तियां पथिक जी के जीवन पर ही सार्थक होती हैं। पथिक जी को 'राजस्थान सेवा संघ' की ओर से जो 1928 आते-आते भंग हो गया द्वारा 10 मासिक खर्च के लिए मिलते थे पथिक जी महज 6 महीने पर ही अपना जीवन व्यतीत करते थे ।बाजरे की रोटी प्याज के साथ खाकर वह गुजारा करते थे ।शेष चार रुपए जो बचते थे उन्हें प्रेस आदि के सार्वजनिक कार्य पर खर्च कर देते थे।

अजमेर अजमेर शहीद देश के अन्य हिस्सों के प्रतिभावान छात्रों की मदद पथिक जी करते थे जो धनाभाव में शिक्षा अर्जित नहीं कर पाते थे ।अनेक छात्र-छात्राएं जिनकी मदद पथिक जी ने की कालांतर में वह वकालत, शिक्षा पत्रकारिता व राजनीति में उच्च शिखर पर गए।

पथिक जी सौभाग्य से क्रांतिकारीयो के उस वर्ग से आते थे जिन्होंने आजादी का सूरज देखा लेकिन पथिक जैसे निष्काम कर्म योगी मां भारती के महान सपूत के साथ देश की स्वाधीनता के पश्चात न केवल भारत सरकार बल्कि नवगठित राजस्थान सरकार जिसे आधुनिक स्वरूप पथिक जी के कारण ही प्रकाश में आ पाया और पथिक जी को राजस्थान का दत्तक पुत्र होने का सौभाग्य मिला लेकिन अहो !दुर्भाग्य राजस्थान की सरकार ने अपने इस दत्तक पुत्र के साथ सौतेला ही व्यवहार किया पथिक जी ने उपेक्षा का दंश सहा।पथिक जी का आजादी के पश्चात 7 वर्ष का जीवन उनकी मृत्यु पर्यंत बेहद ही कष्टदायक अभाव में गुजरा लेकिन पथिक जी ने अपने आत्म स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं किया। चालक अवसरवादी लोगों की कभी कमी नहीं रही है कुछ इतिहासकार बताते हैं आजादी के पश्चात अनेक लोगों ने अपने आप को पथिक जी का शिष्य भक्त बता कर बहुत से लाभ सरकारों से अर्जित किये। विडंबना यह है जैसा की इस लेख के लेखक ने अनुभव किया है आज भी पथिक जी के नाम पर बने अनेक संगठन पथिक जी के वैचारिक दर्शन विचारधारा के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं उनकी ऐसी क्या कमजोरी क्या मजबूरी है यह तो वह ही बता सकते हैं।। मैं धन्यवाद देता राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के प्रमुख डॉ रमेश कुमार जैन ,डॉक्टर विष्णु पंकज का जिन्होंने बहुत कुछ पथिक जी पर लिखा है पथिक जी का स्मृति अभिनंदन ग्रंथ भी इन दो महापुरुषों के परिश्रम से ही अनेक दशक पहले प्रकाशित हो सका। सरकार की ओर से अजमेर में ही एक श्रमजीवी महाविद्यालय का नाम उनके नाम पर किया गया और बाकी कुछ ना किया गया या केवल 1991 -92 में उनके नाम से एक डाक टिकट जारी भारत सरकार ने किया। इस लेख के लेखक का इस संबंध में राजस्थान सरकार व अन्य संबंधित सरकारों से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी लेने का प्रयास रहेगा कि पथिक जी की सम्मान में सरकारों द्वारा क्या-क्या कार्य किए गए हैं उदाहरण के लिए कितनी शैक्षणिक संस्थानों कॉलेज विश्वविद्यालय खेल संस्थाओं स्टेडियम या विभागों में योजनाओं का नामकरण पथिक जी के नाम पर है या उनकी प्रतिमा आदि स्थापित की गई है। पथिक जी के स्मृति अभिनंदन ग्रंथ में पथिक जी के विविध कार्यों पर उनके राजनीतिक वैचारिक शिष्यों ने प्रकाश डाला है अनेक संस्मरण साझा किए गए हैं उनकी स्मृति को समर्पित अनेकों स्मृति लेख लिखे गये हैं ।अंत में पथिक जी के आजादी के पश्चात के उपेक्षित जीवन पर उनकी ही लिखी पंक्तियां पथिक जी पर ही दुर्भाग्य से सार्थक होती हैं । जिन्हें पथिक जी ने अन्य क्रांतिकारियों की उपेक्षा पर लिखा था। जो निम्न है।

न भूल जाना खुशी के दिन।
तुम वतन परस्तो के वे फसाने।।
कि जिनके बदले हुए मुयस्सर है।
ये जश्न महफिलें और तराने।।

अंत में 28 मई, 1954 में मां भारती के इस अमर सपूत शास्त्र व शास्त्र धुरंधर कलम व बंदूक के धनी शौर्य वीरता धीरता के पथ के पथिक जिसने क्रांति के इस पथ को ही अपने चरणों से पावन कर उसे शाश्वत काल के लिए सुगंधित कर दिया ,अजमेर में ही चिर निद्रा में लीन हो गया।

शहीद विजय सिंह पथिक जी के 144 वें जन्म दिवस पर इस महावीर को मेरा शत-शत नमन! अपनी लेखनी से लेखनी व सशस्त्र क्रांति के धनी इस महान विभूति को मेरी छोटी सी कर्मांजलि।

स्वाधीनता के पावन पथ के पूज्य पथिक की शेष गाथा अन्य लेखों में लिखी जाएगी। तब तक के लिए आप सभी को सादर नमस्ते।

लेखक आर्य सागर तिलपता ग्रेटर नोएडा ।

बच्चे पर उठाया हाथ, एमसीडी कमिश्नर ने टीचर और प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया

नई दिल्ली। दिल्ली के एक स्कूल में छोटे बच्चे पर हाथ उठाना और उसके साथ दुर्व्यवहार करना एक शिक्षक और प्रिंसिपल को भारी पड़ गया। एमसीडी कमिश्नर ने तत्काल प्रभाव से टीचर और प्रिंसिपल को निलंबर कर दिया है। स्कूल भी एमसीडी की ही है। मामला शाहदरा नॉर्थ जोन के एमसीडी स्कूल राजीव नगर-2 का है। दिल्ली के शाहदरा नॉर्थ जोन में पड़ने वाली इस स्कूल में पहली क्लास के बच्चे को उसके टीचर और प्रिंसिपल ने थप्पड़ मार दिया था। इसकी शिकायत एमसीडी आयुक्त से की गई। कमिश्नर ने घटना का दोषी पाते हुए शिक्षक और प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया है। दिल्ली नगर निगम ने बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शाहदरा नॉर्थ जोन के एमसीडी स्कूल राजीव नगर-2 में पहली कक्षा के छात्र को थप्पड़ मारने की घटना में दोषी शिक्षक और प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया है। एमसीडी आयुक्त ने बच्चे के साथ दुर्व्यवहार के लिए शिक्षक और प्रिंसिपल के तत्काल प्रभाव से निलंबन को मंजूरी दे दी है।

ससुराल वालों की इनकम टैक्स जांच हो मीलॉर्ड; शख्स की हाईकोर्ट से गुहार, क्या बोली अदालत?

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने एक शख्स की याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने अलग रह रही पत्नी के परिवार की संपत्ति की इनकम टैक्स से जांच कराए जाने की मांग की थी। शख्स ने इनकम टैक्स जांच की मांग के साथ यह दावा किया था कि पत्नी के परिवार ने उसे दहेज में दो करोड़ रुपये दिए थे। शख्स का यह भी कहना था कि शख्स ने शादी पर काफी पैसा खर्च किया था। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि ऐसा मालूम पड़ रहा है कि शख्स ने याचिका पत्नी के साथ अनबन के चलते दाखिल की है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने 19 फरवरी को कहा कि ऐसा लग रहा है कि शख्स ने ऐसी याचिका पत्नी के साथ वैवाहिक झगड़े के चलते दाखिल की है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील यह नहीं बता सके कि उनके मुवक्किल के किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया गया। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले से जुड़े तथ्यों पर निर्णय लेना आयकर विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं होगा। अदालत ने आगे कहा कि इसी प्रकार, तथ्यों के ऐसे विवादित प्रश्नों पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत भी निर्णय नहीं लिया जा सकता है। शख्स ने आदालत से गुहार लगाई थी कि वह आयकर विभाग को निर्देश दे कि वह उसकी अलग रह रही पत्नी के परिवार की ओर से शादी में खर्च की गई राशि के अलावा दो करोड़ रुपये के कथित अवैध नकद लेनदेन की जांच करे। शख्स ने ससुराल वालों के पिछले 10 साल के आयकर रिटर्न और वित्तीय रिकॉर्ड की छानबीन करने का भी अनुरोध किया था। शख्स ने ससुराल वालों के खिलाफ झूठी गवाही, टैक्स चोरी या वित्तीय गड़बड़ी के जुर्म में कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। पीटीआई-भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता की 2022 में शादी हुई थी। उसका विवाह सफल नहीं रहा। इससे उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शख्स ने कहा कि बार-बार फॉलोअप के बावजूद अधिकारी कोई कार्रवाई करने में विफल रहे। अदालत ने कहा कि इस याचिका को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह याचिका खारिज की जाती है।

एलपीजी सिलेंडर में रिसाव से आग लगी, छह झुलसे

नई दिल्ली। भारत नगर इलाके में सोमवार देर रात एलपीजी सिलेंडर में रिसाव से झुग्गी में आग लग गई। इस घटना में छह लोग झुलस गए। सभी का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, राम किशोर अपने भाई रामकुमार के साथ छोले-भटूरे की रेहड़ी लगाता है। दोनों भाई अशोक विहार के सी ब्लॉक की झुग्गी में रहते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे सोमवार रात को छोले उबाल रहे थे। इसी दौरान एलपीजी सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई। दोनों की चीख सुनकर पड़ोस में रहने वाले सोहन, मनोज, शिवकुमार और अनिल भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने लगे। इस दौरान सभी झुलस गए। पड़ोसियों ने दमकल एवं पुलिस को घटना की सूचना दी। दमकल की तीन गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया।

अदालत ने ईडी को दस्तावेज मुहैया कराने के दिए निर्देश

-मामले में तीन मार्च को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ धन शोधन मामले में आरोपी व्यक्तियों को कुछ दस्तावेज सौंपने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई के लिए अदालत ने तीन मार्च की तारीख तय की है। मामले में आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी आरोपी हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने कई आरोपियों की ओर से दायर किए गए आवेदन पत्र पर यह आदेश दिया है। आरोपियों ने अपने आवेदनों में दावा किया था कि उन्हें मामले में दायर आरोपपत्र से संबंधित कुछ दस्तावेज नहीं मिले हैं। अदालत वर्तमान में दस्तावेजों की जांच कर रही है।

धन शोधन का मामला उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा आबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच की सिफारिश करने के बाद दर्ज किए गए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक मामले से सामने आया है। सीबीआई और ईडी के अनुसार नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2021 को नीति लागू की और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने पर सितंबर 2022 के अंत तक इसे रद्द कर दिया था।

मुख्यमंत्री रेखा गौरी शंकर मंदिर पहुंची और पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाशिवरात्रि के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर पहुंची और पूजा-अर्चना की। इस मौके पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख एवं प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, श्री भूपेंद्र गोठवाल, श्री सतीश जैन आदि मौजूद रहे।

मंदिर समिति की ओर से श्री सुभाष गोयल और श्री बलराम गर्ग तथा पुजारियों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया और उनका अभिनंदन किया। श्री गौरी शंकर मंदिर में रुद्राभिषेक करने बाद श्रीमती गुप्ता ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा, 'हर हर महादेव।'

इस मौके पर उन्होंने कहा, 'मेरी ओर से समस्त भारतवासियों को शिवरात्रि के इस महापर्व की बहुत सारी शुभकामनाएं और बधाई। मैं प्रार्थना करती हूं कि भोलेनाथ और मां गौरी का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और दिल्ली और देश तरक्की करे।'

वहीं श्री खंडेलवाल ने कहा, 'शिवरात्रि भारतीय संस्कृति का बहुत बड़ा पर्व है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मैंने दिल्ली के गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की है। महाशिवरात्रि का पर्व सभी के लिए मंगलमय हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति करे, यही कामना हमने प्रभु शिव से की है। पीएम मोदी के नेतृत्व और रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली बहुत जल्दी विकसित हो, प्रभु से यही कामना है।' दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने भी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन दिन भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती से प्रार्थना है कि वो सभी को सुख, समृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें।'

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने भी बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक बधाई देती हूं। मेरी प्रार्थना है कि हम सब पर देवाधिदेव महादेव की कृपा बनी रहे तथा हमारा देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।'

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सभी देशवासियों को भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन पर्व महाशिवरात्रि की असीम शुभकामनाएं। यह दिव्य अवसर आप सभी के लिए सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, साथ ही विकसित भारत के संकल्प को सुदृढ़ करे, यही कामना है। हर-हर महादेव!'

तस्वीरों पर बवाल कर रही आप को भाजपा ने दिखाई दिल्ली में भगत सिंह की टूटी मूर्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव खत्म होने और सरकार बनने के बाद भी सियासत गर्म है। मौजूदा वक्त में दिल्ली में दो मुद्दे हावी हैं। एक कैग रिपोर्ट को लेकर तो दूसरी ओर भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरों को लेकर सियासी तनातनी देखी जा रही है। आलम यह कि विधानसभा में हंगामा करने और कार्यवाही बाधित करने को लेकर आप के 21 विधायक सस्पेंड कर दिए गए हैं। इन सबके बीच भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने आम आदमी पार्टी पर भगत सिंह के नाम पर सियासत करने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं का दोहरा चरित्र सामने आ गया है। आप नेताओं ने जिस तरह से विधानसभा में भगत सिंह के नाम का दुरुपयोग किया। वह सबके सामने है। आप के नेता अपने भ्रष्टाचार और सीएजी रिपोर्ट से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। यदि आम आदमी पार्टी को देश की आजादी में सबसे ज्यादा योगदान देने वाले नेताओं की कितनी ही चिंता है यह मालवीय नगर के पार्क में खड़ी भगत सिंह की इस क्षतिग्रस्त प्रतिमा को देखकर समझा जा सकता है।

आम आदमी पार्टी के नेता अपने 10 साल के कार्यकाल में किए भ्रष्टाचारों पर पर्दा डालने और ड्राफ्ट रिपोर्ट से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जो घिनौनी हरकतें अमर शहीद भगत सिंह जी के नाम पर कर रहे हैं, वह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। आप नेताओं का भगत सिंह के प्रति प्रेम कितना सच्चा है, वह करीब तीन साल से मालवीय नगर के पार्क में खड़ी इस क्षतिग्रस्त प्रतिमा को देखकर समझा जा सकता। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसकी सुध लेना यहां के आप के पूर्व विधायक ने कभी भी जरूरी नहीं समझा।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए विपक्ष की नेता आतिशी समेत 21 आप विधायकों को तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया था। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने उनके निलंबन का प्रस्ताव पेश किया। अब सस्पेंड विधायकों को 27 और 28 फरवरी को विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आतिशी ने अन्य आप विधायकों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय से बीआर अंबेडकर की तस्वीर हटाने का आरोप लगाते हुए विरोध किया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व अधिकारी की याचिका पर एम्स से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एम्स से उसके पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) की याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें उनके बीच चल रही कानूनी लड़ाई में संस्थान पर झूठी गवाही देने का आरोप है। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की पीठ ने संजीव चतुर्वेदी की याचिका पर एम्स को नोटिस जारी किया है। संजीव चतुर्वेदी ने यह याचिका दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 340 के तहत दायर की है। पीठ ने 24 फरवरी को पारित आदेश में कहा, ''नोटिस जारी करें.. यदि कोई उत्तर हो, तो उसे चार सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए, जिसकी अग्रिम प्रति याचिकाकर्ता के विद्वान वकील को दी जाए, जो चार सप्ताह के भीतर उस पर प्रत्युत्तर दाखिल कर सकते हैं।'' याचिकाकर्ता ने कहा कि एम्स ने वित्त वर्ष 2014-15 के लिए अपनी वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट लिखने के 'चैनल' से संबंधित उनकी याचिका के जवाब में 17 अगस्त, 2016 को दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में 'झूठे बयान' दिए हैं।

केंद्र सरकार लाने जा रही है स्वैच्छिक और अंशदायी यूनिवर्सल पेंशन स्कीम

नई स्कीम में रोजगार की नहीं होगी शर्त, सबको मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने पर विचार कर रही है। यह स्वैच्छिक और अंशदायी होगी। इस पेंशन योजना के लिए रोजगार कोई शर्त नहीं होगी यानी इसमें आम नागरिक भी योगदान कर सकेंगे और फिर पेंशन पा सकेंगे। इस योजना का मकसद पारंपरिक रोजगार से परे सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने इस प्रस्तावित समग्र योजना पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, जो मौजूदा पेंशन योजनाओं को एकीकृत करने की दिशा में बढ़ेगी।

इस योजना को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत बनाया जा रहा है। इसके अंतिम प्रारूप को तैयार करने के बाद अलग-अलग हितधारकों की राय ली जाएगी। नई योजना स्वैच्छिक होगी, यानी कोई भी इसमें शामिल हो सकेगा, चाहे उसके पास कोई नौकरी हो या नहीं। इससे असंगठित क्षेत्र के लोग, जैसे कि छोटे व्यापारी, स्वरोजगार करने वाले भी योजना में शामिल हो सकेंगे। इसमें प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन और राष्ट्रीय पेंशन योजना जैसी मौजूदा पेंशन योजनाओं को मर्ज किया जा सकता है। ये योजनाएं रिटायरमेंट के बाद 3,000 की मासिक पेंशन प्रदान करती हैं, जिसमें 55 से 200 तक का योगदान किया जाता है, और सरकार भी इसमें बराबर का योगदान देती है। अटल पेंशन योजना को भी इस नए ढांचे में शामिल करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है।

किन लोगों को मिलेगा फायदा

यह योजना खासकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार करने वालों और अन्य नागरिकों के लिए बनाई जा रही है। इसमें 18 साल या उससे अधिक उम्र के वे लोग शामिल हो सकेंगे, जो 60 साल के बाद पेंशन लाभ पाना चाहते हैं। केंद्र सरकार राज्यों को भी इस योजना में अपनी पेंशन योजनाओं को विलय करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। इससे पेंशन अंशदान को एक जगह लाया जा सकेगा। इससे पेंशन भुगतान में वृद्धि होगी। साथ ही, एक शख्स को अधिक पेंशन का लाभ लेने से भी रोका जा सकेगा।

भारत में वृद्ध आबादी का बढ़ता दबाव

मौजूदा अनुमानों के अनुसार, 2036 तक भारत में वरिष्ठ नागरिकों (60 साल और उससे अधिक) की संख्या 22.7 करोड़ तक पहुंच सकती है। यह कुल आबादी का 15 पीसदी होगी। वहीं, 2050 तक यह आंकड़ा 34.7 करोड़ तक पहुंच सकता है, जो कुल जनसंख्या का 20 फीसदी होगा। इसके उलट अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस और चीन जैसे देशों में पहले से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणाली मौजूद है। इसमें पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं और बेरोजगारी भत्ता शामिल हैं। डेनमार्क, स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड्स और न्यूजीलैंड जैसे देशों में यूनिवर्सल पेंशन योजनाएं पहले से ही लागू हैं।

भारत में मौजूदा सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था

अभी भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था मुख्य रूप से भविष्य निधि, वृद्धावस्था पेंशन और गरीब वर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा तक सीमित है। इस प्रस्तावित यूनिवर्सल पेंशन योजना का उद्देश्य इन योजनाओं के दायरे का विस्तार करना और एक समावेशी और सतत पेंशन प्रणाली तैयार करना है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

जासूसी से बचने फोन के सॉफ्टवेयर और ऐप्स करते रहें अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)।कई रिसर्च में खुलासा हुआ है कि स्मार्टफोन कैमरा, माइक्रोफोन और सर्च हिस्ट्री जैसे अलग-अलग तरीकों से आपकी जासूसी कर सकता है। स्मार्टफोन यूजर्स को प्राइवेसी ब्रीच और डेटा चोरी का खतरा हमेशा बना रहता है। कई स्मार्टफोन यूजर्स इस बात को महसूस करते हैं कि अगर वे किसी प्रोडक्ट की बात करते हैं, तो उनका फोन उसी प्रोडक्ट के एड दिखाने लगता है।

ऐसे में सवाल उठता है कि आप कैसे पता लगाएं कि आपका स्मार्टफोन आपकी बातें सुन रहा है या नहीं? स्मार्टफोन की किन सेटिंग्स के जरिए स्पाइंग को रोका जा सकता है? इस खबर में हम आपको इन सेटिंग्स के बारे में बता रहे हैं। स्मार्टफोन में कई ऐप्लिकेशन के पास आपके कैमरा, माइक्रोफोन और स्टोरेज का एक्सेस होता है। इसके जरिए कोई भी ऐप आपकी बातें सुन सकता है। इससे बचने के लिए आपको अपना एक्सेस लिमिटेड करना होगा या फिर सलेक्टेड परमिशन को ही अलाउ करना है। अपने फोन की सेटिंग्स में सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी के ऑप्शन पर जाएं। यहां आपको प्राइवेसी का ऑप्शन मिलेगा। इस पर क्लिक कर परमिशन मैनेजर पर जाएं। यहां पर सभी ऐप्लीकेशन का माइक्रोफोन का एक्सेस शो हो जाएगा। इसे जरूरत के हिसाब से मैनेज करें। फोन के सॉफ्टवेयर और ऐप्स को अपडेट करते रहें। फोन में हर महीने मिलने वाले सेक्योरिटी पैच को अपडेट करें।फोन में सिरी, गूगल असिस्टेंट या एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट को डिसेबल करें। इससे फोन में वॉइस लिसनिंग से बचा जा सकता है।

पब्लिक वायफाय नेटवर्क और हॉटस्पॉट हैकिंग का जरिया बन सकते हैं। इससे बचने के लिए अनसिक्योर पब्लिक वायफाय का यूज करते टाइम वीपीएन का इस्तेमाल करें। कुछ मालवेयर फोन की मेमोरी में काम करते हैं। इससे बचने के लिए फोन को सिंपल रीबूट करें। इससे थर्ड पार्टी ऐप्स की बैकग्राउंड प्रोसेसिंग भी बंद हो जाती है। अनजान थर्ड पार्टी ऐप को डाउनलोड करने से बचें। ऐप्स को सिर्फ ऑफिशियल ऐप स्टोर से ही इंस्टॉल करें। इंस्टॉल करने के बाद ऐप्स को जरूरी परमिशन ही दें।

दिल्ली में सीएम के लिए जितनी बिजली मुफ्त, उससे 4 गुना ज्यादा थी केजरीवाल की खपत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 26 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली में सरकार चलाते हुए जनता के लिए 200 यूनिट खपत पर बिजली मुफ्त करने वाले अरविंद केजरीवाल अब अपने ही बिल को लेकर घिर गए हैं। अत्यधिक बिजली खपत का आरोप लगा भाजपा उन पर सवाल उठा रही है। भाजपा को यह मौका सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब से मिला है, जिसमें दिल्ली सरकार ने बताया है कि अरविंद केजरीवाल बतौर मुख्यमंत्री जिस बंगले में रहते थे उसका दो साल का बिल 41 लाख रुपए से अधिक का था।

आरटीआई एक्टिविस्ट कन्हैया कुमार की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में बताया गया कि अक्टूबर 2022 से अक्टूबर 2024 के बीच 6 फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले में 41.5 लाख रुपए की बिजली खपत हुई। इस बंगले को भाजपा और कांग्रेस की ओर से शीशमहल कहा जाता है। बंगले में सुख-सुविधा पर करोड़ों रुपए खर्च का आरोप है और इसकी जांच चल रही है। आरटीआई से मिले जवाब के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल के बंगले में दो साल में 560335 यूनिट की बिजली खपत की गई, जिसका बिल 41,51,350 रुपए है। इस लिहाज से औसत निकालें तो हर दिन करीब 767 यूनिट बिजली खपत की गई, जिसका मूल्य करीब 5700 रुपए है।

दिल्ली में सीएम के लिए कितनी बिजली मुफ्त

दिल्ली विधानसभा की वेबसाइट पर मंत्रियों और मुख्यमंत्री के वेतन और भत्ते की विस्तार से जानकारी दी गई है। इसमें मुफ्त बिजली का भी जिक्र है। इसमें बताया गया है मुख्यमंत्री को हर महीने 5000 यूनिट बिजली के बिल के लिए प्रतिपूर्ति (रिइंबर्समेंट) का प्रावधान है, जबकि मंत्रियों के लिए सीमा 3000 यूनिट मासिक है। इस लिहाज से देखें तो अरविंद केजरीवाल के लिए हर महीने 5000 यूनिट बिजली मुफ्त थी जबकि उनकी खपत औसतन करीब 21000 यूनिट मासिक थी।

भाजपा का तीखा हमला

आरटीआई जवाब के बहाने भाजपा अब केजरीवाल पर हमलावर है। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने एक वीडियो में कहा, 'शीशमहल के खर्च की कहानी तो हम सबने सुनी है। हमें पता है कि किस तरह केजरीवाल ने जनता के 45 करोड़ रुपए इस पर खर्च किए। पर अब एक और चौंकाने वाली खबर है। आरटीआई दिखाती है कि 2 साल में मुख्यमंत्री निवास में बिजली का बिल 41.5 लाख रुपए का था। 5.60 लाख यूनिट बिजली खर्च हुई। हर दिन 5700 रुपए का प्रतिदिन है। आप समझ सकते हैं कि कितने एसी नॉन स्टॉप चल रहे ते। यह वही केजरीवाल है जिसने करोड़ों रुपए खर्च किए अपने ऐशो-आराम पर। वैगनार कार में घूमते थे और फिर 1.5 करोड़ रुपए की गाड़ी खरीद ली वह भी आरटीआई से सामने आया था। शीशमहल की कहानी दरअसल बंगले नहीं मानसिकता के रेनोवेशन की है।'

दिल्ली के 47 वर्षीय व्यक्ति का तीसरा दुर्लभ गुर्दा प्रत्यारोपण;अब शरीर में कुल पांच गुर्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 26 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली के एक 47 वर्षीय व्यक्ति का एक निजी अस्पताल में तीसरी बार अत्यंत दुर्लभ गुर्दा प्रत्यारोपण किया गया है, जिससे अब इस व्यक्ति के शरीर में कुल पांच गुर्दे हो गए हैं। देवेंद्र बारलेवर की अमृता अस्पताल, फरीदाबाद में एक सर्जरी की गई थी। बारलेवर 15 साल से गंभीर गुर्दे की बीमारी से जूझ रहे थे और 2010 और 2012 में दो असफल प्रत्यारोपण से गुजरे थे।

'यूरोलॉजी' के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अहमद कमाल ने कहा कि 2022 में कोविड-19 जटिलताओं के बाद रोगी की स्थिति खराब हो गई। हालांकि, जब 'ब्रेन डेड' घोषित 50 वर्षीय एक किसान के परिवार ने उनकी किडनी दान करने का फैसला किया तो बारलेवर को उम्मीद की किरण दिखाई दी।

कमाल ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने की गई चार घंटे की लंबी सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि बारलेवर के शरीर में उनके अपने दो और बाद में प्रत्यारोपित दो गुर्दे पहले से ही मौजूद थे। इन चार खराब गुर्दों के कारण महत्वपूर्ण चिकित्सा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि मौजूदा गुर्दों ने प्रतिरक्षा अस्वीकृति के जोखिम को बढ़ा दिया था। इस प्रक्रिया से पहले विशेष 'इम्युनोसप्रेशन प्रोटोकॉल' (किसी अन्य व्यक्ति से लिए गए अंग को स्वीकार करने में मदद करने के लिए चिकित्सीय विधि) की आवश्यकता होती है।

डॉ. अनिल शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, यूरोलॉजी ने सर्जिकल जटिलताओं पर प्रकाश डाला। शर्मा ने कहा कि रोगी का पहले भी ऑपरेशन हो चुका था और पहले से मौजूद गुर्दों के कारण हमें जगह की कमी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''चूंकि पिछली सर्जरी में पहले से ही मानक रक्त वाहिकाओं का उपयोग किया गया था, इसलिए हमें नए गुर्दे को पेट की सबसे बड़ी रक्त वाहिकाओं से जोड़ना पड़ा, जिससे यह एक अत्यधिक जटिल प्रक्रिया बन गई थी।'' उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बावजूद प्रत्यारोपण सफल रहा और रोगी की स्थिति सामान्य रही, इसलिए प्रत्यारोपण के दस दिन के भीतर उसे छुट्टी दे दी गई।

रोगी की स्थिति के बारे में शर्मा ने कहा कि बारलेवर के क्रेटेनिन का स्तर दो सप्ताह के भीतर सामान्य हो गया, जिससे अब उन्हें डायलिसिस की जरूरत नहीं रही। अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए बारलेवर ने कहा कि दो असफल प्रत्यारोपण के बाद वह उम्मीद खो चुके थे। उन्होंने कहा कि डायलिसिस ने उनके जीवन पर गंभीर असर डाला था। उन्हें कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही थी लेकिन अमृता अस्पताल ने उन्हें एक नया जीवन दिया। उन्होंने कहा कि आज वह खुद अपना रोजमर्रा का काम कर सकते हैं और इससे उनकी पूरी स्वास्थ्य स्थिति में भी सुधार हुआ है।

बाबा साहेब के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे : आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री के कक्ष से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगाने पर आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजीव झा ने इस कदम को लेकर पीड़ा व्यक्त की और कहा कि यह केवल उनका नहीं, बल्कि संविधान के प्रति आस्था रखने वाले हर भारतीय का अपमान है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी यह मानती है कि प्रधानमंत्री अब बाबा साहेब अंबेडकर से बड़े हो गए हैं। हमने विधानसभा अध्यक्ष से इस बारे में सवाल किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बाबा साहेब के चित्र को हटाकर प्रधानमंत्री की फोटो लगाना संविधान और बाबा साहेब का अपमान है। विधानसभा अध्यक्ष ने उनकी चिंता को नजरअंदाज किया और उन्हें मार्शल के जरिए विधानसभा से बाहर निकाल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि हम बाबा साहेब के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कोई कदम नहीं उठाया गया तो आम आदमी पार्टी का विरोध लगातार जारी रहेगा। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक कुलदीप कुमार ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि विधानसभा में 'जय भीम' के नारे लगाने के कारण उन्हें और उनके साथी विधायकों को बाहर कर दिया गया। कुलदीप कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों के निर्देश पर बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर को हटाया गया है। यह आदेश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का था। आजादी के इतने वर्षों बाद भी कुछ लोग बाबा साहेब के संविधान और उनके विचारों से नफरत करते हैं। उन्होंने देशभर के बहुजन समाज से अपील की कि वे इस मुद्दे पर आवाज उठाएं और विरोध करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस बार विरोध नहीं किया गया तो ये लोग पूरे देश से बाबा साहेब की मूर्तियां हटा देंगे। मैं कहना चाहता हूं कि बाबा साहेब के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। जब तक बाबा साहेब की तस्वीर विधानसभा में अपनी सही जगह पर नहीं लगाई जाती, आम आदमी पार्टी का विरोध जारी रहेगा।

भारत विरोधी नारे लगाने वाले कबाड़ियों के खिलाफ चला देवेंद्र भाऊ का बुलडोजर

-स्थानीय लोगों ने बाप-बेटे को पुलिस के हवाले किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मालवण में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद भारत विरोधी नारे लगाने वाले कबाड़ियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करा दिया है। नारेबाजी करने वालों के खिलाफ हिंदू समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर जय छत्रपति शिवाजी महाराज, जय भवानी, जय शिवाजी, हर हर महादेव जैसे नारे लगाए। बीजेपी विधायक नीलेश राणे ने मामले में आक्रामक रुख दिखाकर नगर पालिका प्रशासन को पत्र सौंपकर भारत विरोधी नारे लगाने वाले व्यक्ति के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया था, इस पर संज्ञान लेकर नगरपालिका ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। दरअसल भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान और भारत की जीत के बाद कबाड़ व्यापारियों ने भारत के खिलाफ नारे लगाए थे। जब शहर के लोगों ने नारे लगाने वाले लड़के से इस बारे में पूछा तब वहां भाग गया। बाद में वह लड़का हनुमान मंदिर में मिला। दुबारा पूछताछ करने पर लड़के ने कहा कि वह अपने पिता से मिलना चाहता है। जब लड़के पिता को इस बारे में बताया, तब उन्होंने भी देश के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी की। जैसे ही खबर सब जगह फैली, घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने नारे लगाने वालों को मालवण पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखकर मालवण में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

बाघिन ने दो ग्रामीणों पर किया हमला, फिर गांववालों ने पीट-पीटकर मार डाला

लखीमपुर खीरी । लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के एक गांव में भटककर पहुंची बाघिन ने दो स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने दो साल की बाघिन को बुधवार को कथित तौर पर मार डाला। दुधवा बफर जोन के उपनिदेशक ने बताया कि वन अधिकारियों ने पलिया तहसील के गांव से बाघिन के शव को बरामद कर रेंज मुख्यालय भेज दिया है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत पलिया पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घायल गांवों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी ने कहा कि जानवर का पोस्टमार्टम राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया और विसरा को विस्तृत विश्लेषण के लिए आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली भेजा गया है।

खालिस्तान मुर्दाबाद का चैलेंज देने वाले सोशल मीडिया यूजर के खिलाफ हरभजन सिंह ने दर्ज कराया केस

चंडीगढ़ । पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के नेता हरभजन सिंह ने एक एक्स यूजर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करावा दी है। दरअसल शख्स ने हरभजन सिंह की इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर शेयर कर उन्हें चैलेंज दिया था कि क्या वे खालिस्तान मुर्दाबाद लिख सकते हैं। इस पर हरभजन ने तीखा ट्वीट कर आरोप लगाने वाले शख्स को मानसिक रूप से बीमार करार दिया। भज्जी को चैलेंज देकर लिखा गया था, 100 बात की 1 बात, अगर भज्जी सच्चा देशभक्त हैं, तब एक बार खालिस्तान मुर्दाबाद ट्वीट कर दे, मैं उससे माफी मांग लूंगा। इस पर भज्जी ने पुलिस में केस भी दर्ज कराया है। भज्जी ने खुद को खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले अकाउंट की एक पुरानी पोस्ट को निकालकर शेयर किया। उन्होंने लिखा, तू किस तरफ का है? जो हमारे अयोध्या के हिन्दू भाईओं को गलत बोल रहा है। मुझे तेरी दिमामी हालत से ज्यादा तेरे देशद्रोही होने पर शक है। दरअसल संबंधित एक्स अकाउंट से अयोध्या के हिंदुओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। यूजर ने हरभजन पर फिर से आरोप लगाया कि वे पाकिस्तान का समर्थन करते हैं और वह यदि गलत साबित करना चाहते हैं, तब खालिस्तान मुर्दाबाद कहें। अब हरभजन की ओर से कहा गया है कि उन्होंने एक्स अकाउंट यूजर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। वहीं पता चला हैं कि खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले शख्स की पहचान अभिषेक के नाम से हुई है। वह करीब 50 हजार रुपये तक की नौकरी कर रहे थे, जिनसे उन्होंने पिछले दिनों ही छोड़ दिया था। वे फिलहाल राजनीतिक टिप्पणियां ही सोशल मीडिया पर करते रहते हैं।

36 लाख रुद्राक्ष से निर्मित 36 फूट ऊंचे शिवलिंग ने स्थापित किया विश्व कीर्तिमान

वलसाड। जिले के वांकल गांव में शिवभक्तों ने महाशिवरात्रि महोत्सव पर 36 फूट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है7 36 लाख रुद्राक्ष से निर्मित विशाल शिवलिंग भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव की आंख से गिरे आंसू के रूप में शिव का एक रूप माना जाता है और रूद्राक्ष शिवलिंग का अभिषेक करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है। लगातार चार बार लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा चुका धर्मपुर के बटुक महाराज का रुद्राक्ष शिवलिंग शिवरात्रि महोत्सव में लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस साल भी 36 लाख रुद्राक्षों से बना विशाल शिवलिंग भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव की आंख से गिरे आंसू के रूप में शिव का रूप माना जाता है और रुद्राक्ष शिवलिंग का अभिषेक करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, रुद्राक्ष का शिवलिंग भक्तों के लिए भी आकर्षण और आस्था का केंद्र बन जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है। पुराण शास्त्र के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, वहां रुद्राक्ष अवश्य होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर दक्षिण गुजरात की धरमपुर तहसील के वांकल गांव में 36 लाख रुद्राक्ष से 36 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया गया है। महाशिवलिंग का निर्माण धरमपुर के खारवेल निवासी बटुक महाराज ने कराया है।

संजय राउत ने फिक्सरों की नियुक्ति को रोकने पर की फडणवीस की तारीफ

पीएम मोदी-शरद पवार की तस्वीर पर महाराष्ट्र में सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म

मुंबई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी और एनसीपी(एसपी) प्रमुख शरद पवार की दिल्ली में हुई मुलाकात की तस्वीर की चर्चाएं महाराष्ट्र में खूब हो रही हैं। इस बीच महाराष्ट्र की सियासत में दो बड़े अपडेट देखे जा रहे हैं। पहला शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के सुर बदल गए हैं। उन्होंने सरकार के फैसलों पर सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। वहीं दूसरी ओर शरद पवार की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद पाटिल के राजनीतिक रुख पर अटकलें तेज हो गई हैं।

बता दें दिल्ली में 21 फरवरी को 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि पीएम मोदी पहुंचे थे। शरद पवार कार्यक्रम के आयोजक मंडल में शामिल थे। पीएम मोदी जब दीप प्रज्ज्वलन करने पहुंचे तो उन्होंने शरद पवार से आगे आने का अनुरोध किया। उसके बाद जब पवार अपना संबोधन खत्म करके सीट की तरफ लौट रहे थे तो पीएम मोदी ने सीट पर बैठने में मदद की और उनको पानी का गिलास भरकर दिया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो की खूब तारीफ हो रही है।

इस बीच अब खबर आ रही है कि महाराष्ट्र एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष जयंत पाटिल और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले में बैठक की है। हालांकि, पाटिल ने सफाई में कहा कि मुंबई में बैठक के दौरान राजनीति पर चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने कहा कि हमने सांगली जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कार्यों को लेकर बावनकुले से मुलाकात की। पूर्व मंत्री पाटिल को शरद पवार का बेहद करीबी माना जाता है। पाटिल ने कहा कि हां, मैं बावनकुले से मिला था। मैंने अपने क्षेत्र से संबंधित काम के लिए उनसे मुलाकात की। मेरे साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी था और 25 मिनट की बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। हमने सिर्फ स्थानीय मुद्दों पर बातचीत की।

पाटिल ने बैठक में सांगली जिले के मुद्दों से संबंधित कम से कम एक दर्जन मांगें रखीं और भूमि रिकॉर्ड की ऑनलाइन प्रोसेसिंग के संबंध में बात की। पाटिल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है, जिसे मैंने बावनकुले के ध्यान में लाया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित कई मामलों को हल करने की जरूरत है। बावनकुले ने कहा कि राज्यमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल भी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि करीब 400 से 500 लोग भी मौजूद थे। बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद नितिन गडकरी के साथ मंच साझा किया था।

वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने फिक्सर को मंत्रियों का ओएसडी या पीएस नहीं बनने देने के लिए सीएम फडणवीस की तारीफ की है। राउत ने कहा कि जिन लोगों को पदों के लिए नजरअंदाज किया गया, उनमें से अधिकांश शिवसेना (शिंदे) के मंत्री थे। उन्होंने दावा किया कि कैबिनेट मंत्रियों के 16 निजी सचिवों या विशेष कर्तव्य अधिकारियों (ओएसडी) की नियुक्ति को फडणवीस ने मंजूरी नहीं दी, उनमें से 13 शिवसेना के मंत्री थे।

राउत ने फिक्सरों की नियुक्ति को रोकने के लिए फडणवीस की तारीफ की। राउत ने कहा, मेरे पास 16 पीएस के नाम हैं, जिनमें से 13 शिंदे के हैं और बाकी अजित पवार खेमे के हैं। वह फडणवीस सख्त फैसले ले रहे हैं। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम राज्य के हित में लिए गए फैसलों का समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि फडणवीस ने महाराष्ट्र के खजाने की लूट रोक दी है। राउत का कहना था कि जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे और जिन परियोजनाओं की लागत बढ़ा दी गई थी, उन स्वीकृत प्रोजेक्ट पर काम सस्पेंड करके फडणवीस ने राज्य की लूट को रोक दिया है। बता दें फडणवीस ने कहा था हमने पीएस या ओएसडी के रूप में नियुक्ति के लिए कैबिनेट मंत्रियों द्वारा भेजे गए 125 नामों में से 109 को मंजूरी दे दी, लेकिन अन्य को मंजूरी नहीं दी क्योंकि वे या तो पूछताछ का सामना कर रहे हैं या फिक्सर के रूप में जाने जाते हैं।

केंद्र पांच साल में असम में जलमार्ग विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा : सोनोवाल

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले पांच साल में असम में जलमार्ग और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री यहां 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के दौरान राज्य की सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र में यह बात कही। सोनोवाल ने कहा, '' मैं घोषणा करना चाहता हूं कि अगले पांच साल में मेरा मंत्रालय असम में 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा।'' यह राशि जहाज मरम्मत सुविधा, बंदरगाहों के लिए वैकल्पिक सड़कों के निर्माण तथा टर्मिनल के विकास जैसे विभिन्न कार्यों पर खर्च की जाएगी। सोनोवाल ने कहा कि राज्य में समुद्री शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें पोत परिवहन उद्योग के लिए सालाना 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में जलमार्गों के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा, '' भारत का लक्ष्य 2030 तक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र और शीर्ष पांच जहाज विनिर्माण देशों में से एक बनना है।

पीएम मोदी मई में जा सकते हैं रूस, विजय दिवस परेड में होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी 9 मई को मास्को के रेड स्क्वायर में आयोजित होने वाले विजय दिवस परेड में शामिल हो सकते हैं। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में रूसी सैन्य सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि इस यात्रा के दौरान भारतीय सेना की एक टुकड़ी भी परेड में शामिल हो सकती है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच बातचीत चल रही है। पीएम मोदी पहले भी रूस और यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिलकर शांति की अपील कर चुके हैं।

रिपोर्ट में सैन्य सूत्र ने बताया कि रेड स्क्वायर पर होने वाले परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक टुकड़ी की भागीदारी पर भी काम किया जा रहा है, जिसे रिहर्सल के लिए कम से कम एक महीने पहुंचना चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि भारतीय सैन्यकर्मियों को रूस भेजने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा चल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक रूसी विदेश मंत्री ने पहले ही कहा था कि कई आमंत्रित देशों ने 9 मई को मास्को में होने वाले कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। यह कार्यक्रम द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की जा रही है।

पीएम मोदी पिछले साल अक्टूबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस गए थे। यह शिखर सम्मेलन रूस की अध्यक्षता में कजान में आयोजित हुआ था। यह यात्रा ऐसे समय में और भी अहम हो जाती है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच बातचीत चल रही है। इस महीने की शुरुआत में रियाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। पीएम मोदी ने अपनी पिछली यात्राओं में रूसी राष्ट्रपति और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात करके शांति की पुरजोर अपील की थी।

गवाह की कोई उम्र नहीं होती, बच्चों की गवाही भी मान्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि गवाह के लिए कोई न्यूनतम उम्र नहीं होती और बच्ची के बयान को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह 7 साल की है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला खास इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 7 साल की बच्ची की गवाही को आधार बनाया, जिसने अपनी मां की हत्या होते देखी थी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एमपी हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने बच्ची के बयान को खारिज कर दिया था और आरोपी को बरी कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एविडेंस एक्ट में गवाह की न्यूनतम उम्र तय नहीं है। इसलिए, बच्ची की गवाही को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर बच्चा गवाही देने के लिए सक्षम है, तो उसकी गवाही किसी अन्य गवाह की तरह ही मानी जाएगी। लेकिन, अदालत को बच्चे के बयान की जांच बहुत ध्यान से करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे जल्दी बहकावे में आ सकते हैं।सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए। इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई।यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा। ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

30 अप्रैल से शुरू होगी चारधाम यात्रा, जानें कब खुलेंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनेत्री यात्रा 30 अप्रैल से शुरू होगी। इस यात्रा के लिए पंजीकरण 11 मार्च से शुरू होगा। हर बार की तरह इस बार भी यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को आधार कार्ड से जोड़ने की तैयारी चल रही है। इससे चारीधाम यात्रा के दौरान सुरक्षा में मदद मिलेगी। इस साल गंगोत्री और यमुनेत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल से खुलेंगे। यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 11 मार्च से शुरू होगा। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे खुलेंगे। वहीं, बद्रीनाथ धाम 4 मई को खोला जाएगा।

पिछले साल 46 लाख से ज्यादा लोग चारीधाम यात्रा पर गए थे. पिछली बार यात्रा शुरू होने से पहले रजिस्ट्रेशन में दिक्कत आई थी. वहीं बिना रजिस्ट्रेशन के जाने वालों को

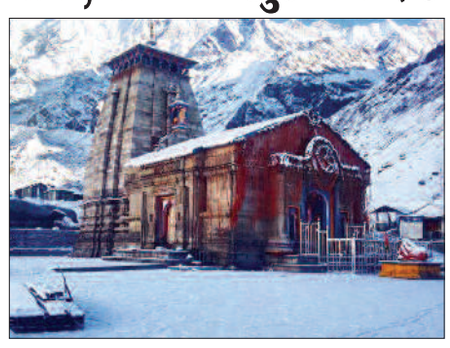

परेशानी का सामना करना पड़ा। इसलिए इस बार 60 फीसदी ऑनलाइन और 40 फीसदी ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन होगा। यात्रा शुरू होने से 10 दिन पहले ऑफलाइन पंजीकरण किया जाएगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 11 मार्च से शुरू होगा। ऑनलाइन पंजीकरण उत्तराखंड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर किया जाएगा।

पंजीकरण के लिए हरिद्वार और ऋषिकेश में 20-20 और विकासनगर में 15 ऑफलाइन पंजीकरण काउंटर खोले जाएंगे। यात्रा से एक महीने पहले किसी भी वीआईपी दर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी श्रद्धालुओं को सामान्य प्रक्रिया से ही दर्शन करने होंगे। यात्रा मार्ग को छोटे-छोटे सेक्टरों में बांटा जाएगा और हर 10 किलोमीटर पर पुलिस पोस्ट होंगी। अतिरिक्त पुलिस बल के जरिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर से भी निगरानी की जाएगी. आवश्यक यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था भी की जायेगी।

महाराष्ट्र में 11 बीजेपी विधायकों को मिली अहम विधान समितियों की जिम्मेदारी

-शिवसेना-एनसीपी का कब खत्म होगा इंतजार

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की समिति के विभाजन की घोषणा कर दी गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 विधायकों को विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, महायुति के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के विधायकों को अब तक समितियों में स्थान नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक रणधीर सावरकर के नेतृत्व में इन विधायकों को इन समितियों में नियुक्त किया गया है।

समितियों में जगह पाए 11 बीजेपी विधायकों में - सार्वजनिक उपक्रम समिति - राहुल कुल, पंचायत राज समिति - संतोष दानवे-पाटिल, आश्वासन समिति - रवि राणा, अनुसूचित जाति कल्याण समिति - नारायण कुचे, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति - राजेश पाडवी, महिला अधिकार और कल्याण समिति - मोनिका राजले, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति - किसन कथोरे, मराठी भाषा समिति - अतुल भातखलकर, विशेष अधिकार समिति - राम कदम, धर्मादाय निजी अस्पताल जांच समिति - नमिता मुंदडा एवं विधायक निवास व्यवस्था समिति - सचिन कल्याणशेट्टी हैं।

इस कदम को भाजपा विधायकों के लिए राजनीतिक रूप से पुनर्वास के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से उन विधायकों के लिए जो मंत्री पद से वंचित रह गए थे। हालांकि, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी के नेता अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महायुति के हर सहयोगी दल को विधायी समितियों में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सत्ता के वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की रस्साकसी नहीं हो रही है।

शिवसेना और एनसीपी के पास 9-9 समितियां

महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 29 विधायी समितियां हैं, जिनमें से भाजपा ने पहले ही 11 महत्वपूर्ण समितियों पर दबदवा कायम कर लिया है। वहीं, शिवसेना और एनसीपी के पास 9-9 समितियां हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने शिवसेना और एनसीपी को उनके समिति सदस्यों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा है, लेकिन अब तक उन्होंने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश का मंत्रिमंडल विस्तार, सात के सात बीजेपी विधायक बने मंत्री

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कैबिनेट का विस्तार हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कोटे से 7 नए मंत्री बने हैं। राजभवन में बीजेपी विधायक संजय सरावगी, सुनील कुमार, जीवेश मिश्रा, राजू सिंह, मोतीलाल प्रसाद, विजय मंडल और कृष्ण कुमार मंटू ने मंत्री पद के रूप में शपथ ली। बात दें कि मिश्रा दूसरी बार मंत्री बनाए जा रहे हैं।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने एक-एक कर सभी नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा समेत अन्य कई नेता मौजूद हैं।

दरभंगा से विधायक सरावगी को राज्यपाल ने सबसे पहले शपथ दिलाई। उन्होंने मैथिली भाषा में पद और गोपनीयता की शपथ ली। वे वैश्य समाज से आते हैं। इसके बाद सुनील कुमार को मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। वे नालंदा जिले के बिहारशरीफ से बीजेपी के विधायक हैं। वह कोइरी समाज से आते हैं।

दरभंगा जिले के जाले से बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा दूसरी बार नीतीश सरकार में मंत्री बने हैं। उन्होंने भी मैथिली भाषा में पद और गोपनीयता की शपथ ली। वे भूमिहार जाति से आते हैं।

मिश्रा के बाद साहेबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। सिंह इसके पहले जेडीयू, लोजपा और वीआईपी में रह चुके हैं। इसके बाद रीगा विधानसभा से बीजेपी के दो बार के विधायक मोतीलाल प्रसाद ने मंत्री पद की शपथ ली। मोतीलाल तेली समाज से आते हैं। वहीं अमनौर से बीजेपी के विधायक कृष्ण कुमार मंटू उर्फ मंटू सिंह पटेल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मंटू अमनौर से दो बार के विधायक हैं। इससे पहले वह जेडीयू में रह चुके हैं। सारण से बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी के करीबी माने जाते हैं। वह कुर्मी समाज से आते हैं।

सबसे आखिर में सिकटी से विधायक विजय मंडल को राज्यपाल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वह पांच बार के विधायक हैं। पूर्व में राज्य मंत्री रह चुके हैं। वे आनंद मोहन की बिहार पीपल्स पार्टी, लालू यादव की आरजेडी में भी रह चुके हैं। सीमांचल में वह बीजेपी का पिछड़ा वर्ग का चेहरा माने जाते हैं।

क्या राजनीति के लिए तैयार नहीं रेखा गुप्ता....आते ही कर दी ये गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राजनीति में सिबंल राजनीति की शुरुआत करने वाली भारतीय जनता पार्टी रही है। 2014 के बाद पार्टी ने अपनी इसी रणनीति के द्वारा कई पार्टियों को पीछे छोड़ दिया। लेकिन, दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने पूर्ववर्ती सरकार की गलती सुधारने के प्रयास में एक बड़ी गलती कर दी है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय से डॉ. भीमराव आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाकर महात्मा गांधी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें लगा दी हैं।

मुख्यमंत्री रेखा ने इन आरोपों का खंडन नहीं किया, बल्कि इन आरोपों को आप द्वारा सीएजी रिपोर्ट से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि आप भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए इस तरह के विवाद खड़े कर रही है। हालांकि, आप को बैठे-बिठाए एक बड़ा मुद्दा मिल गया। आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने इस मामले पर बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आई है। अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में बाबा साहेब और भगत सिंह की तस्वीरें लगाई थीं, जिन्हें अब हटा दिया गया है। पूर्व सीएम केजरीवाल ने भी मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह लाखों अनुयायियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है।

दरअसल रेखा पहली बार विधायक बनी हैं और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंची हैं। संघ का समर्थन प्राप्त होने के बावजूद, उन्होंने दलित प्रतीक आंबेडकर की तस्वीर की जगह बदलने का निर्णय लिया, जो एक राजनीतिक गलती साबित हो सकता है। हालांकि, प्रशासनिक दृष्टि से यह सही हो सकता है, लेकिन राजनीति में संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी होता है। देश में आमतौर पर सीएम हाउस में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीरें लगाई जाती हैं। इस लिहाज से गुप्ता का फैसला गलत नहीं था, लेकिन आप सरकार की गलती सुधारते हुए उन्हें आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाने के बजाय अन्य तस्वीरें जोड़नी चाहिए थीं।

क्या सचमुच आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटाई गई हैं?

आप के आरोपों के जवाब में सीएम रेखा ने कहा कि सरकार के प्रमुखों की तस्वीरें लगाना गलत नहीं है। दिल्ली बीजेपी ने सीएम ऑफिस की एक तस्वीर जारी की, जिसमें आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें दाईं दीवार पर दिख रही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि तस्वीरें हटाई नहीं गईं, बल्कि उनकी जगह बदली गई है। हालांकि, तर्क की दृष्टि से यह फैसला सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह भाजपा के लिए घातक साबित हो सकता है।

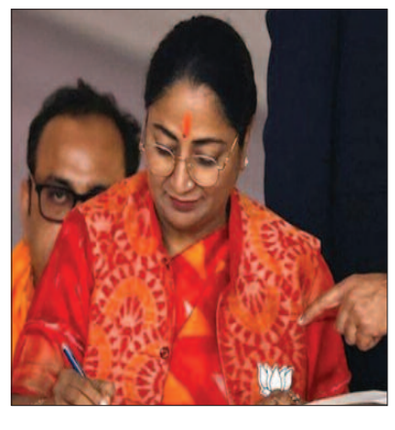

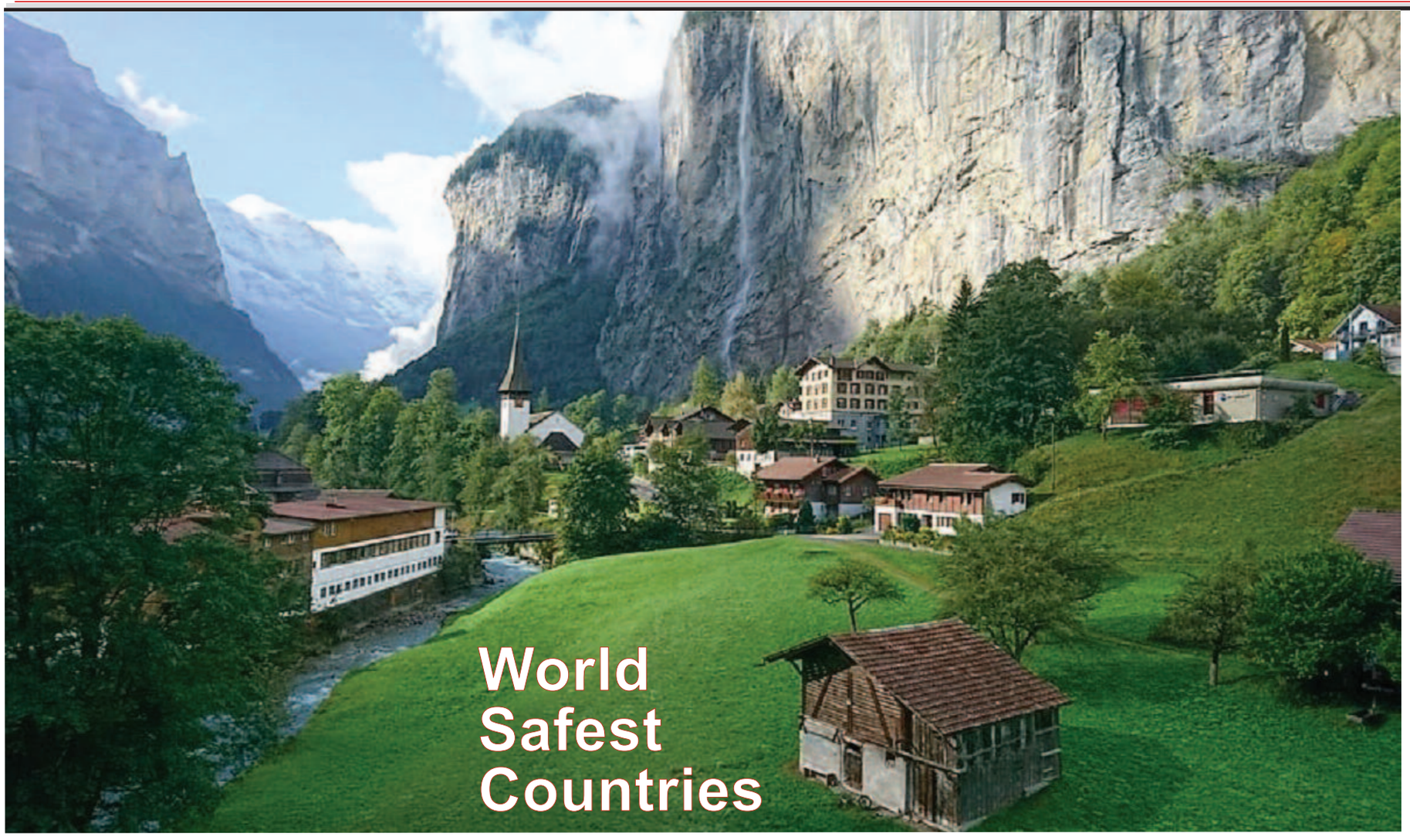

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्रिक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो... इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

दृश्यम 3 में एक नई कहानी पेश करेंगे अजय देवगन

साल 2015 में आई दृश्यम फिल्म ने लोगों का दिल जीत लिया। फिल्म में अजय देवगन ने जबरदस्त एक्टिंग की थी। यह फिल्म इतनी चली कि फिल्म निर्माताओं ने सात साल के बाद दृश्यम 2 बनाई। यह फिल्म ब्लकबस्टर साबित हुई। पिंकविला के मुताबिक अब अजय देवगन दृश्यम 3 में नजर आने वाले हैं।

दूसरी फिल्मों के बजाए दृश्यम 3 की करेंगे शूटिंग

सूत्रों ने बताया है कि अजय देवगन को एक फिर से दृश्यम 3 के लिए चुना गया है। सोर्स ने बताया कि अजय देवगन जुलाई से अगस्त तक दूसरी फिल्मों में शूटिंग करने वाले थे लेकिन अब वह दृश्यम 3 में काम करेंगे. कुछ हफ्तों पहले अभिषेक पाठक और लेखक, अजय देवगन के घर गए और उन्होंने अजय देवगन को दृश्यम 3 के बारे में बताया। इसके बाद अजय देवगन दृश्यम 3 में काम करने के लिए राजी हुए। वह दोबारा इस फिल्म में विजय सालगांवकर का किरदार निभाने के लिए उत्साहित हैं।

इन फिल्मों में काम कर रहे हैं

दृश्यम 3 की शूटिंग से पहले अजय देवगन दे दे प्यार दे 2, धमाल 4 और रेंजर फिल्म की शूटिंग पूरी करेंगे। अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 पहले से झोली में है, धमाल 4 के लिए मार्च 2025 से शूटिंग शुरू होगी। मई में वह रेंजर के लिए शूटिंग शुरू करेंगे। इस साल अजय देवगन की झोली में हैं ये एक सूत्र ने बताया कि अजय देवगन साल 2025 के आखिर तक वयस्त हैं। इस दौरान वह दे दे प्यार 2, धमाल 4, रेंजर और दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी करेंगे। वह अपनी फिल्मों को लेकर आत्मविश्वास से भरे हैं। वह हर फिल्म में अलग-अलग किरदार कर रहे हैं। दृश्यम 3 के बाद हो सकता है कि अजय देवगन गोलमाल 5 के लिए शूटिंग शुरू करें। इस फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। इस फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी इसके बारे कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। अजय देवगन जल्द ही रेड 2 और सन ऑफ सरदार 2 में नजर आएंगे।

लड़कियां कुछ भी हो सकती हैं पर कमजोर नहीं, खुद पर यह भरोसा होना चाहिए

टीवी शो गुम है किसी के प्यार में से लोगों के दिलों में घर बनाने वाली एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों नए सीरियल मन्नत- हर खुशी पाने की में एक जिम्मेदार बेटी, जुझारू लड़की और महत्वाकांक्षी शेफ की भूमिका में नजर आ रही हैं।

आपके लिए सशक्त महिला की परिभाषा क्या है? क्या लड़की होने की वजह से कभी कमतरी का अहसास हुआ है?

मेरा मानना है कि दूसरे जो भी सोचें, हमें खुद को कमजोर नहीं मानना चाहिए। अगर मैंने मान लिया कि मैं कमजोर हूं तो फिर मैं कमजोर ही हूं। हमें खुद यह माइंडसेट रखना चाहिए कि हम अबला या बेचारी नहीं हैं। हम मजबूत इंडीविजुअल हैं। यह लड़ाई आपके भीतर से शुरू होती है। अगर कोई लड़की किसी दिक्कत से जूझ रही है तो कभी यह नहीं कहना है कि मै तो कमजोर हूं, मैं क्या ही कर सकती हूं ! नहीं, मैं बेवकूफ हो सकती हूं, मैं आलसी हो सकती हूं, फलाना-ढिकाना हो सकती हूं पर मैं कमजोर नहीं हूं। मेरा मानना है कि हर लड़की को खुद पर यह भरोसा रखना चाहिए।

ज्यादातर नामी शेफ मर्द होते हैं। शो में आप एक शेफ के रोल में हैं। आपकी इस बारे में क्या राय है?

मेरे हिसाब से ऐसा इसलिए है, क्योंकि पहले लड़कियां घर से बाहर निकलती नहीं थीं। वो घर ही संभालती थी। बाहर खाना बनाने वाले पहले भी महाराज या हलवाई ही होते थे। अब उनका ही नया वर्जन शेफ के रूप में आ गया। चूंकि, पहले जेंडर रोल डिफाइन होता था कि कमाने का काम मर्दों का होता था, इस वजह से ऐसा है। अब चीजें बदल रही हैं। बेशक बराबरी अब भी नहीं आई है, पर सोच बदल रही है। छोटे शहरों, कस्बों में बदलाव आना अभी बाकी है, पर जैसे-जैसे देश बदलेगा और पूरे देश में जॉब के मौके बढ़ेंगे, ये हालात बदलेंगे।

आपका शो एक वर्किंग लड़की की कहानी है, मगर टीवी पर ज्यादातर सास बहू ड्रामा या टिपिकल लव स्टोरी हावी रहती है। इसकी क्या वजह मानती हैं?

मुझे लगता है कि हर चीज का एक दौर होता है। जैसे एक समय में टीवी पर देख भाई देख जैसे सिटकॉम का दौर था। फिर, सास भी कभी बहू वाला दौर आया। उसके बाद बालिका वधू जैसी मेसेज वाली रियलिस्टिक कहानियां भी आईं, तो ऑडियंस की जो मांग होती है, मेकर्स को उसे पूरा करना होता है। ये ताकत ऑडियंस के हाथ में होती है कि उसे क्या देखना है, बाकी सब सिर्फ उसे पूरा कर रहे होते हैं। जैसे, शेफ के तौर पर भी मैं खाना वही बनाऊंगी जो लोग ऑर्डर देंगे। वरना हम अलग तरह के शो बना भी दे और कोई देखे नहीं तो क्या फायदा होगा। ऐसा नहीं है कि लोग रिस्क नहीं लेते। अच्छे-अच्छे शोज भी आए हैं पर वे चले नहीं। अब वजह मुझे नहीं पता लेकिन मेरे हिसाब से जैसी मांग होगी, वही चीज दी जाएगी।

रणबीर के बिना अक्सा बीच पर रामायण के वॉर सीक्वेंस शूट कर रहे हैं यश

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी राम-सीता का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता यश को 'रावण' के किरदार के लिए कास्ट किया है। ताजा अपडेट्स के मुताबिक केजीएफ फेम अभिनेता 'यश' ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में यश रावण का किरदार निभा रहे हैं। फैंस उन्हें इस रोल में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि साई पल्लवी और रणबीर कपूर पहले ही मुंबई में कुछ सीन शूट कर चुके हैं।

इस दिन से यश ने शुरू की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता यश हाल ही में मुंबई पहुंचे और दो दिनों के कॉस्ट्यूम ट्रायल के बाद रामायण - भाग 1 की शूटिंग शुरू कर दी। यह शेड्यूल मुख्य रूप से युद्ध के सीन पर आधारित है, जो अक्सा बीच पर फिल्माया जा रहा है। कहा जा रहा है कि युद्ध के दृश्यों को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है, जो रावण के किरदार को सपोर्ट करते हैं। सीन में ऑन-ग्राउंड एक्शन के साथ ग्रीन स्क्रीन इफेक्ट्स को भी शामिल किया गया है, जिसमें वीएफएक्स का काफी काम किया गया है।

सेगमेंट का हिस्सा नहीं होंगे रणबीर कपूर

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सेगमेंट में रणबीर कपूर हिस्सा नहीं लेंगे। इसका कारण है कि इस शेड्यूल में राम और रावण के बीच युद्ध नहीं दिखाया जाएगा। हालांकि, शूट के दौरान यश के साथ फिल्म से जुड़े अन्य कलाकार मौजूद रहेंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। इसका पहला भाग साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। 'रामायण' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में लारा दत्ता, सनी देओल और इंदिरा कृष्णा जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

आयुष्मान की फैमिली ड्रामा में हुई शरवरी की एंट्री

फिल्म मुंज्या की शानदार सफलता के बाद शरवरी का करियर उड़ान भर रहा है। उन्हें लगातार बड़े बैनर की फिल्में मिल रही हैं। इम्तियाज अली की दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक

पीरियड रोमांटिक फिल्म में शामिल होने के बाद, अब खबर है कि शरवरी को सूरज बड़जात्या की अगली बड़ी फैमिली ड्रामा फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ मुख्य भूमिका के लिए साइन किया गया है। बड़जात्या ने अपनी आगामी अनटाइटल फिल्म में शरवरी को लीड रोल में कास्ट किया है। दोनों के बीच बातचीत जारी है। शरवरी को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। फिल्म के जुड़े एक सूत्र ने पुष्टि की है कि शरवरी, सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म में उनकी सभी अपेक्षाओं को पूरा करती हैं। खासकर इस दिल छू लेने वाली रोमांटिक फिल्म में संवेदनशीलता और मासूमियत लाने के पहलू को शरवरी अपनी शख्सियत से पूरा कर रही हैं। इसलिए उनकी कास्टिंग बिल्कुल परफेक्ट है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आयुष्मान और शरवरी की कास्टिंग स्क्रीन पर एक फ्रेशनेस लाएगी। यह उनकी साथ में पहली फिल्म होगी और दोनों कलाकार बड़जात्या के साथ काम करने के लिए रोमांचित हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल के मध्य में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 के अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। फिल्म के टाइटल का एलान जल्द ही किया जाएगा।

इन वूमेन सेंट्रिक सीरीज की कहानी दिल को छू लेगी

एक में हुमा कुरैशी भी आईं नजर

हाल ही में ओटीटी पर सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेज' रिलीज हुई है। इन दिनों यह वूमेन सेंट्रिक फिल्म अपनी कहानी और किरदारों के कारण खूब चर्चा में है। इसमें महिलाओं की जिंदगी की मुश्किलों को बहुत बारीकी से दिखाया गया है। ऐसे कई वेब सीरीज भी ओटीटी पर आईं, जिनकी कहानी वूमेन सेंट्रिक रही।

मेड इन हैवन

वेब सीरीज 'मेड इन हैवन' एक रोमांट्रिक ड्रामा सीरीज रही है। इस सीरीज में **शोभिता धुलिपाला** भी नजर आई थीं। इसमें दिल्ली की एक वेडिंग प्लानिंग कंपनी लोगों की शादी करवाती है। इसी सीरीज में जो महिला किरदार हैं, उनके आसपास ही पूरी कहानी घूमती है। किस तरह की चुनौतियों का सामना वे अपने रिश्ते में कर रही हैं, उन्हें कैसे सुलझा रही हैं, उस पर ही पूरी वेब सीरीज बेस्ड है।

द टेस्ट केस

द टेस्ट केस में **निमृत कौर** ने लीड रोल किया था। इसमें वह शिखा शर्मा के रोल में दिखीं, जो आर्मी की स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल होने वाली अकेली लड़की है। ट्रेनिंग के दौरान उसे खुद को साबित करना है। क्या इस काम में शिखा सफल होती है? क्या वह इस मुश्किल टेस्ट को पास करती है? यही वेब सीरीज की कहानी है।

फोर शार्ट मोर प्लीज

इस वेब सीरीज में चार महिलाओं की स्टोरी है। जो 20 से 30 साल के बीच की हैं। वह अपनी लाइफ को कैसे जीती हैं? इस दौरान कुछ गलतियां करती हैं लेकिन आगे बढ़ती रहती हैं। साथ ही अपने हिसाब से जिंदगी को जीना पसंद करती हैं। इस सीरीज को भी वूमेन ऑडियंस ने काफी पसंद किया था।

दिल्ली क्राइम

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम के कई सीजन आ चुके हैं। इसमें डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार में **शेफाली शाह** नजर आती हैं। वर्तिका अपराध की गुत्थियां काफी सूझ-बूझ से सुलझाती है। साथ ही अपनी जिंदगी की मुश्किलों से भी निपटती है। इस सीरीज से फीमेल फैंस ने काफी रिलेट किया था।

महारानी

हुमा कुरैशी स्टारर वेब सीरीज महारानी को भी ऑडियंस ने काफी पसंद किया। इस सीरीज में उन्होंने रानी भारती की भूमिका निभाई थी, जो एक अनपढ़ महिला है, जो अपने पति के घायल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बन जाती है। इसके बाद कैसे वह राज्य चलाती है? लोगों की भलाई का सोचती है? यही वेब सीरीज की स्टोरी लाइन है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673